पटना ● शुक्रवार, 12 जुलाई 2024 मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 वर्षः 5, अंकः181 www. bordernewsmirror@gmail.com 9471060219, 9470050309

BORDER NEWS MIRROR
BNM
to the point...
राष्ट्रीय द्विभाषिक समाचार पत्र

बॉर्डर न्यूज मिरर
"खबरों से समझौता नहीं"

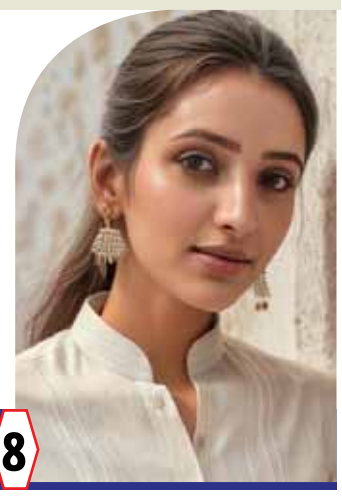

"विश्व जनसंख्या दिवस" के अवसर ... 3 www. bordernewsmirror.com फिल्म बैड न्यूज नया गाना.. 8

भारत और रूस की रक्षा साझेदारी में आई बड़ी छलांग

● मिलकर बनाएंगे सुखोई जेट, दुनिया के कई देशों को होगा निर्यात ● पीएम मोदी के दौरे से खुले संबंधों के नए रास्ते,होगा बड़ा फायदा

मॉस्को (एजेंसी)। भारत और रूस रक्षा साझेदारी में एक नई छलांग लगाने जा रहे हैं। दोनों देश अपनी अगली साझा रक्षा परियोजना में महाराष्ट्र के नासिक में सुखोई-30 का निर्माण कर सकते हैं। स्पुतनिक इंडिया ने सूत्रों के आधार पर कहा है कि इस प्रोजेक्ट के लिए चर्चा चल रही है और आने वाले समय में भारत में सुखोई-30 का बड़े पैमाने पर उत्पादन शुरू हो सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हालिया रूस यात्रा के बाद संयुक्त बयान में भी कहा गया है कि दोनों देश रूसी मूल के हथियारों के पुर्जों के उत्पादन, मरम्मत और रखरखाव की दिशा में काम करने पर सहमत हुए हैं। रूसी तकनीक आधारित हथियारों के संयुक्त उत्पादन के जरिए भारत की जरूरतों को पूरा करने के बाद उन्हें निर्यात भी किया जाएगा। सूत्रों ने स्पुतनिक इंडिया को बताया कि नासिक स्थित हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) प्लांट में भारतीय वायुसेना के लिए रूसी मूल के लड़ाकू विमानों

का निर्माण शुरू करने के लिए बातचीत चल रही है। 1964 में रूसी सहयोग से शुरू किया गया यह प्लांट मिग-21 और उसके बाद सुखोई-30 लड़ाकू विमानों के उत्पादन और रखरखाव में शामिल रहा है। इस प्लांट में सुखोई-30 लड़ाकू विमान का निर्माण शुरू हो सकता है। इस समय भारतीय वायुसेना के पास सबसे ज्यादा सुखोई-30 विमान हैं।

भारत और रूस के बीच हुए समझौते में 272 सुखोई-30 विमानों का सौदा हुआ था, जिनमें से काफी संख्या में विमानों का उत्पादन एचएएल प्लांट में हुआ था। पूर्व ब्रह्मोस प्रमुख सुधीर कुमार मिश्रा का कहा है कि सुखोई-30 एक आधुनिक लड़ाकू विमान है, जिसका इस्तेमाल अगले दो से तीन दशक तक होगा। इसलिए इसे घरेलू स्तर पर बनाने से ना केवल घरेलू जरूरतें पूरी हो सकती हैं, बल्कि निर्यात मांग भी पूरी हो सकती है। इस प्लांट का इस्तेमाल भविष्य में रूसी मूल के विमानों वाले देशों के विमानों की मरम्मत और रखरखाव के लिए भी किया जा सकता है। तकनीक ट्रांसफर के बाद दुनिया के कई देशों में भारत में बने संयुक्त उत्पादों की मांग है।

लद्दाख में एलएसी के पास पकड़ा गया 108 किलो सोना

लेह (एजेंसी)। भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) ने मंगलवार को पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के पास एक 108 किलोग्राम सोने की छड़ें जब्त की हैं। इसकी कीमत 84 करोड़ रुपये बताई जा रही है।

दो तस्करों के पास से सोने के अलावा, कुछ चीनी फूड आइटम भी बरामद हुआ है। गिरफ्तार तस्करों की पहचान तेनजिन टार्गी (40) और त्सेरिंग चंबा (69) के रूप में हुई है। दोनों न्योमा निवासी हैं।

जंगल में उतरे पैरा कमांडो बड़े ऐक्शन की है तैयारी

घाटी में आतंकियों पर जल्द कसेगा शिकंजा, हिरासत में लिए गए 26 संदिग्ध

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में पिछले कुछ दिनों से आतंकवादी घटनाओं में बढ़ोतरी देखी गई है। जिससे सुरक्षा बल भी मुस्तैद नजर आ रहे हैं। जम्मू में कठुआ जिले के माचेडी-बिलावर इलाके में सेना पर आतंकियों ने पहाड़ी जंगलों से घात लगाकर हमला किया था। मगर सेना के जवानों ने भी उनकी चाल को नाकाम करते हुए अंधाधुंध फायरिंग की थी। सेना के जवानों ने आतंकियों पर 5000 से ज्यादा गोलियां बरसाईं, जिससे आतंकी मौके से भागने के लिए मजबूर हो गए थे। वहीं जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले के माचेडी-बिलावर इलाके के कम से कम 26 निवासियों को सोमवार को दो ट्रकों वाले सैन्य गश्ती दल पर हुए घातक हमले के सिलसिले में पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। जिसमें 22 गढ़वाल राइफल्स के पांच जवान शहीद हो गए और पांच अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने कहा कि एनआईए की एक टीम घात स्थल पर पहुंच गई है और जांच में पुलिस की सहायता कर रही है। सेना, जम्मू-कश्मीर पुलिस, सीआरपीएफ और पैरा कमांडो के जवान आतंकवादियों को पकड़ने के लिए क्षेत्र के बीहड़ इलाकों और जंगलों की तलाशी ले रहे हैं, लेकिन अभी तक कोई भी पकड़ा या मारा नहीं गया है। भारी बारिश ने हेलीकॉप्टरों से निगरानी को मुश्किल बना दिया है। अधिकारियों ने बदनोटा गांव के पास घात लगाकर किए गए हमले की घटनाओं को एक साथ जोड़ना शुरू कर दिया है। जहां और ज्यादा फोर्स के पहुंचने से पहले दो घंटे से अधिक समय तक लगातार गोलीबारी हुई थी। माना जा रहा है कि तीन लोगों का समूह में आतंकवादियों ने पहाड़ी पर दो जगहों पर खुद को छिपा लिया और घने जंगल में छिपकर सैनिकों को ग्रेनेड और गोलियों के हमले से चौंका दिया। जब ट्रक दोपहर 3.30 बजे माचेडी-किंडली-मल्हार रोड पर एक मोड़ पर पहुंचे थे, तभी उन पर भारी गोलीबारी की गई थी।

मुंबई हिट-एंड-रन के आरोपी ने गलत आईडी दिखाकर पी शराब

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई के वर्ली हिट-एंड-रन केस में हर दिन नए खुलासे हो रहे हैं। जुहू के जिस पब में शिवसेना नेता राजेश शाह के बेटे मिहिर शाह ने एक्सीडेंट से पहले शराब पी थी, उसका दावा है कि वह गलत आईडी दिखाकर शराब पीने आया था। सूत्रों ने अनुसार, पब मैनेजमेंट ने आरोप लगाया कि मिहिर शाह ने उन्हें जो पहचान पत्र दिखाया, जिसमें उसकी उम्र 27 साल थी। उसके साथ तीन दोस्त भी आए थे, जिनकी उम्र 30 साल से अधिक है। पुलिस का दावा है कि ऑफिशियल रिकॉर्ड के अनुसार मिहिर 24 साल का है, जबकि शराब पीने की न्यूनतम कानूनी उम्र 25 वर्ष है। एक्साइज अधिकारियों के सूत्रों ने बताया पब के बिल से पता चला है कि मिहिर शाह और उसके दो दोस्तों ने उस दिन बार में व्हिस्की के 12 बड़े पैग ऑर्डर किए थे। यानी एक युवक ने लगभग चार पैग पिए थे। शराब की इतनी मात्रा किसी को आठ घंटे तक नशे में रख सकती है।

मोदी सरकार ने आंध्र प्रदेश को दे दिया बड़ा तोहफा

● 60 हजार करोड़ की योजना को मंजूरी, लगेगी नई रिफाइनरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की थी। दोनों नेताओं की मुलाकात के 5 दिन ही बीते हैं कि केंद्र ने आंध्र प्रदेश में 60,000 करोड़ रुपये के निवेश से तेल रिफाइनरी और पेट्रोकेमिकल हब स्थापित करने की प्रमुख मांग को स्वीकार कर लिया है। नायडू ने बुधवार को राज्य में रिफाइनरी स्थापित करने की व्यवहार्यता पर चर्चा करने के लिए भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) के शीर्ष अधिकारियों से मुलाकात भी की। अब लोगों की नजरें बिहार के मुख्यमंत्री नीतिश कुमार पर जा टिकी हैं। ऐसा इसलिए कि केंद्र सरकार में टीडीपी के साथ-साथ जेडीयू की भी अहम भूमिका है। एक रिपोर्ट में जानकार लोगों के हवाले से बताया है कि रिफाइनरी के लिए तीन स्थानों पर चर्चा की गई। इनमें श्रीकाकुलम, मछली पट्टनम और रामाय पट्टनम शामिल हैं। लोगों ने कहा कि रिफाइनरी की औपचारिक घोषणा 23 जुलाई के बजट में किए जाने की संभावना है।

मीलॉर्ड... हमसे हो रहा भेदभाव, नहीं मिल रहा मानदेय

नई दिल्ली (एजेंसी)। उच्चतम न्यायालय ने राजस्थान के आठ चिकित्सा कॉलेज और नई दिल्ली के राम मनोहर लोहिया संस्थान के विदेशी छात्रों द्वारा दायर उन याचिकाओं पर राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) से जवाब मांगा, जिसमें अन्य भारतीय चिकित्सा स्नातकों की तरह इंटर्नशिप के लिए उन्हें भी

मानदेय देने का अनुरोध किया गया है। न्यायमूर्ति बीआर गवई और न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की पीठ ने जसवंत सिंह और अन्य की याचिका पर नोटिस जारी किया। याचिकाकर्ताओं की ओर से अधिवक्ता तन्वी दुबे ने दलील दी कि मानदेय का भुगतान न करना उनके मौलिक अधिकारों का स्पष्ट उल्लंघन है। उन्होंने कहा कि यदि कई अन्य कॉलेज विदेशी मेडिकल स्नातकों को मानदेय दे रहे हैं, तो इस भेदभाव का कोई कारण नहीं है।

पूर्व आईएएस मनीष वर्मा को नीतिश ने दी बड़ी जिम्मेवारी

पटना (एजेंसी)। मंगलवार को जेडीयू में शामिल हुए मनीष वर्मा को पार्टी ने राष्ट्रीय महासचिव की बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है। कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने यह घोषणा की। ओडिशा कैडर के पूर्व आईएएस अधिकारी और नीतिश कुमार के पूर्व सचिव वर्मा ने मंगलवार को जेडीयू की सदस्यता ली थी। जेडीयू के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय कुमार झा ने पार्टी के वरिष्ठ नेता विजय कुमार चौधरी और प्रदेश अध्यक्ष

उमेश कुमार कुशवाहा की मौजूदगी में वर्मा को पार्टी की सदस्यता दिलाई। 2000 बैच के आईएएस अधिकारी वर्मा पटना और पूर्णिया के डीएम भी रह चुके हैं। पार्टी में शामिल होने के बाद मनीष कुमार वर्मा ने कहा कि पहले जेडीयू मेरे दिल में था और अब मैं इस दल में आ गया हूं। 2000 कैडर के आईएएस मनीष कुमार वर्मा जेडीयू में बुधवार को शामिल हुए थे। जेडीयू के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा, प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा और मंत्री विजय चौधरी ने पूर्व आईएएस अधिकारी मनीष कुमार वर्मा को पार्टी की सदस्यता दिलाई थी।

'नीट यूजी' छात्रों को अभी और करना होगा इंतजार

सुप्रीम कोर्ट में टली सुनवाई,अब 18 जुलाई को होगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीट यूजी (2024) परीक्षा को रद्द करने की मांग कर रहे छात्रों को अभी और इंतजार करना पड़ेगा। सुप्रीम कोर्ट ने इस केस पर सुनवाई फिलहाल टाल दी है। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि वह विवादों से घिरी राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) 2024 से जुड़ी याचिकाओं पर 18 जुलाई को सुनवाई करेगा। प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने कहा कि केंद्र सरकार और नीट-यूजी का आयोजन करने वाली राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने शीर्ष अदालत के आठ जुलाई के निर्देश के अनुसार अपना-अपना हलफनामा दाखिल कर दिया है। पीठ ने कहा कि कुछ याचिककर्ताओं की पैरवी कर रहे वकीलों को केंद्र और एनटीए की ओर से दाखिल हलफनामों की प्रति अभी तक नहीं मिली है। इसी के साथ उसने मामले को 18 जुलाई को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध कर दिया। शीर्ष अदालत नीट-यूजी 2024 से जुड़ी कई याचिकाओं पर सुनवाई कर रही है, जिनमें पांच मई को आयोजित इस परीक्षा में अनियमितताओं और कदाचार का आरोप लगाने वाली तथा नये सिरे से परीक्षा आयोजित करने का निर्देश देने का अनुरोध करने वाली याचिकाएं भी शामिल हैं। केंद्र ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट को बताया कि मेडिकल प्रवेश परीक्षा 'नीट-यूजी 2024' में न तो इस बात के संकेत मिले हैं कि ''बड़े पैमाने पर कदाचार'' हुआ और न ही ऐसे संकेत हैं कि स्थानीय उम्मीदवारों के किसी समूह को लाभ पहुंचा हो। केंद्र ने कहा कि नीट-यूजी 2024 के नतीजों का डेटा विश्लेषण भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) मद्रास ने किया और विशेषज्ञों के निष्कर्षों के अनुसार अंक वितरण में घंटी के आकार के वक्र का अनुसरण किया गया जो बड़े पैमाने पर कराई जाने वाली किसी भी परीक्षा में दिखता है जिससे किसी अनियमितता का संकेत नहीं मिलता। नीट-यूजी 2024 में कुल 67 छात्रों ने 720 अंक प्राप्त किए।

अरविन्द केजरीवाल शराब नीति केस के मुख्य सरगना

● ईडी बोली-स्कैम का पैसा आम आदमी पार्टी पर खर्च हुआ ● एजेंसी ने 208 पेज की सातवीं सप्लीमेंट्री चार्जशीट पेश की

नई दिल्ली (एजेंसी)। शराब नीति केस में ईडी ने मंगलवार को दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट में सातवीं सप्लीमेंट्री चार्जशीट पेश की। 208 पेज की इस चार्जशीट में दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल को केस का सरगना और साजिशकर्ता बताया गया। चार्जशीट में कहा गया कि स्कैम से मिला पैसा आम आदमी पार्टी पर खर्च हुआ है। ईडी ने अपनी चार्जशीट में कहा कि केजरीवाल ने 2022 में हुए गोवा चुनाव में एएपी के चुनाव अभियान में यह पैसा खर्च किया। दावा किया गया है कि केजरीवाल ने शराब बेचने के कॉन्ट्रेक्ट के लिए साउथ ग्रुप के सदस्यों से 100 करोड़ रुपए की रिश्वत मांगी थी, जिसमें से 45 करोड़ रुपए गोवा चुनाव पर खर्च किए गए थे। ईडी ने जोर देकर कहा कि केजरीवाल ने दावा किया कि एएपी के पूर्व मीडिया प्रभारी और इस केस के सह-आरोपी विजय नायर ने उनके नहीं, बल्कि मंत्री आतिशी और सौरभ भारद्वाज के अधीन काम किया था।

इसमें यह भी दावा किया गया है कि सीएम ने कहा कि दुर्गेश पाठक गोवा के राज्य प्रभारी थे और फंड का प्रबंधन करते थे और फंड से संबंधित निर्णयों में उनकी खुद कोई भूमिका नहीं थी और उन्हें भारत राष्ट्र समिति की नेता के कविता से रिश्वत नहीं मिली थी।

आयकर में छूट और किसान सम्मान निधि की बढ़ेगी राशि

मोदी सरकार के नए बजट में कई बड़ी घोषणाएं संभव

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार 3.0 के पहले आम बजट से खासी उम्मीदें हैं। निम्न और मध्यवर्ग को सरकार महत्वाकांक्षी योजनाओं के जरिये विशेष लाभ दे सकती है। नौकरीपेशा लोगों के लिए भी आयकर छूट सीमा बढ़ाए जाने और स्लैब में परिवर्तन किए जाने की चर्चाएं हैं। बदले हुए समीकरणों के बीच सरकार के लिए यह बजट सहयोगी दलों के अपने राज्यों की मांगों के चलते चुनौतियों से भरा भी है। केंद्र की मोदी सरकार पर हर वर्ग की झोली में कुछ न कुछ डालने का दबाव है। चूंकि चार राज्यों के चुनाव सामने हैं, ऐसे में इन राज्यों के लोगों की भी उम्मीदें टिकी हैं।

राजनीतिक रूप से सरकार को मतदाताओं को साधने की भी कवायद

करनी पड़ रही है। सरकार की कोशिश होगी कि वह अपने बिखरे जनाधार को समेटने और सहयोगी दलों के साथ तालमेल को बेहतर बनाए। इसलिए 23 जुलाई को जब केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण लगातार सातवीं बार संसद में वित्त वर्ष 2024-25 का आम बजट प्रस्तुत करेंगी तो उसमें कुछ बड़ी घोषणाएं हो सकती हैं। इसमें बिहार और आंध्र प्रदेश के लिए कुछ अहम घोषणाएं हो सकती हैं। बजट से पूर्व विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों और उनसे जुड़े संगठन प्रमुखों के साथ वित्त मंत्री बैठकेंकर चुकी हैं। अब बजट को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया तेजी से चल रही है।

आईएएस रैंक पाने के लिए पूजा ने लगाए फर्जी सर्टिफिकेट

● पोस्टिंग में भी किया झोल,ऑडी वाली अधिकारी पर कई आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। 2023 बैच की आईएएस अधिकारी पूजा खेडकर अपने रुतबे को लेकर सुर्खियों में हैं। हाल ही में उनका ट्रांसफर भी हो गया है। आरोप है कि वह अपनी प्राइवेट ऑडी कार पर लाल और नीली बत्ती के साथ-साथ महाराष्ट्र सरकार का चिन्ह लगाकर चलती थी। सोशल मीडिया पर उनका यह वीडियो वायरल होते ही सरकार ऐक्शन में आई। उनका ट्रांसफर कर दिया। सूत्रों के मुताबिक, पुणे कलेक्टर की रिपोर्ट के आधार पर उनका ट्रांसफर किया गया है। एक प्रोबेशनरी अधिकारी होते हुए भी उन्होंने कई सुविधाओं की मांग शासन से की थी। खेडकर को 21 मार्च 2023 से पुणे जिला कलेक्टर कार्यालय में नियुक्त किया गया था। उनका कार्यकाल जुलाई 2025 में समाप्त होना था।

संक्षिप्त समाचार

हत्याकांड में जब्त हथियार और कारतूस को भेजा एफएसएल

मोतिहारी, एजेंसी। जिप सदस्य सह पैक्स अध्यक्ष सुरेश यादव की हत्या में पकड़े गये अपराधियों के पास से जब्त हथियार व कारतूस की जांच एफएसएल से कराने के लिए प्रशासन ने तैयारी शुरु कर दी है। नगर पुलिस ने घटनास्थल से जब्त दो खोखा, गिरफ्तार अपराधी सुदामा सहनी व हरिशंकर पासवान के पास से बरामद देसी कट्टा, दो कारतूस व जिप सदस्य के शव से निकला हुआ दो पिलेट की जांच के लिए एफएसएल को भेजा गया है। नगर थानाध्यक्ष राकेश कुमार ने बताया कि हत्याकांड में जब्त सभी हथियार व कारतूस की जांच कराई जा रही है। बताया जाता है कि 26 जून को नगर थाना क्षेत्र के चांदमारी चौक पर बाइक सवार तीन अपराधियों ने जिप सदस्य सुरेश यादव की गोली मारकर हत्या कर दी थी। हालांकि पुलिस ने कार्रवाई करते हुये दो अपराधियों हरिशंकर पासवान व सुदामा सहनी को हथियार के साथ 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया था।

मंत्री ने सड़क पक्कीकरण का लोगों को दिया भरोसा

मोतिहारी, एजेंसी। प्रखंड क्षेत्र के हरपुर राय मनोबारी गांव में बुधवार को गन्ना विकास मंत्री कृष्णनंदन पासवान का चौपाल कार्यक्रम आयोजित हुआ। जहां आम लोगो ने खुलकर अपनी बाते मंत्री के समक्ष रखी। मंत्री श्री पासवान ने सभी को बाते सुनी। ग्रामीणों ने मांग किया कि गायघाट मुख्य सड़क से हरपुर राय आने वाली सड़क का निर्माण पक्की कराया जाय। मंत्री ने आश्वस्त किया कि चालू वित्तीय वर्ष में उक्त सड़क का पक्कीकरण करा दिया जाएगा। उक्त बस्ती के छठ वर्तियो के लिए छठ घाट व सेड निर्माण कराने व सामुदायिक भवन बनाने की मांग ग्रामीणों ने किया। मंत्री ने कहा कि बिहार के विकास के लिए सरकार कई योजनाओं की शुरुआत की है। जिसका लाभ लोगो को मिल रहा है। उक्त बस्ती के लोगो ने मंत्री को फूल माला से भव्य स्वागत किया। मौके पर भाजपा अति पिछड़ा प्रकोष्ठ के जिला उपाध्यक्ष दीपक शर्मा, बबलू गुप्ता आदि थे।

पेरोल पर छूटने के बाद फरार हुआ हत्यारोपित गिरफ्तार

गोपालगंज/कुचायकोट, एजेंसी। स्थानीय थाने के ढोढवलिया गांव के संतोष कुमार उर्फ बंसी राम को पुलिस ने बुधवार को गोरखपुर में छापेमारी कर गिरफ्तार कर लिया। इसकी सूचना पुलिस ने गुजरात पुलिस को दी है। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि संतोष कुमार उर्फ बंसी राम गुजरात के वापी में कमाने के लिए गया हुआ था। वहां उसने एक युवती की हत्या कर दी थी। इस संबंध में वापी थाने में इसके खिलाफ वर्ष 2006 में नामजद प्राथमिकी दर्ज की गई थी। इस कांड में न्यायालय से उसे आजीवन करवास की सजा मिली थी। कुछ समय सजा काटने के बाद वह पेरोल पर 6 फरवरी 2010 को अपने गांव ढोढवलिया आया था। पैरोल पर आने के बाद से वह जेल में नहीं लौट कर फरार हो गया। गुजरात पुलिस को उसकी चौदह वर्ष से तलाश थी।

महिला दारोगा की मौत मामले में प्रबंधक सहित सात नामजद

गोपालगंज, एजेंसी। सिधवलिया थाने के सदौवा हाई स्कूल के समीप विगत चार जुलाई को एनएच 27 पर हुए हादसे में पुलिस अवर निरीक्षक सतिभा कुमारी व चालक मंजय कुमार की मौत मामले में पुलिस ने बुधवार को सात लोगों पर प्राथमिकी दर्ज की गई है। एसपी स्वर्ण प्रभात ने बताया कि हादसे की जांच में ट्रक के मालिक, ट्रांसपोर्टर, चालक, उपचालक व गोपालगंज जिले अंतर्गत एनएच 27 के एनएचआई के प्रबंधक, इंजीनियर, ठेकेदार की लापरवाही सामने आई है। मामले में सिधवालिया थाने में तैनात प्रशिक्षु दरोगा नवीन कुमार के बयान पर इन लोगों को आरोपित किया गया है।

उन्नाव हादसा: ना परमिट, ना जांच; मनमाने ढंग से बिहार से दिल्ली दौड़ रहीं सैकड़ों बसें

पटना, एजेंसी। यूपी के उन्नाव में हादसे के बाद बिहार से दिल्ली और अन्य शहरों के लिए चलाई जा रही बसों के ऑपरेटर की जानलेवा लापरवाही और मनमानी का खुलासा हुआ है। मुजफ्फरपुर समेत उत्तर बिहार के दरभंगा, मधुबनी, सीतामढ़ी, शिवहर, मोतिहारी, बेतिया से 350 से अधिक स्लीपर डबल डेकर बसें दिल्ली के अन्य राज्यों के बड़े शहरों तक जाती हैं। लंबी दूरी की इन बसों में से ज्यादातर में पुरानी बसों में ही मनमाना बदलाव कर डबल डेकर बनाकर चलाई जाती हैं। बस में बदलाव के लिए एमवीआई से मंजूरी भी नहीं ली जाती। बिना मंजूरी मनमाने बदलाव के बाद भी अवैध बसों का फिटनेस एमवीआई कार्यालय से पास हो जाता है और इस आधार पर इन्हें टूरिस्ट परमिट मिल जाता है। इनमें क्षमता से अधिक सवारियों को ठूंसकर बैठाया जाता है। एक बस में 70 से 80 यात्रियों को ढोया जाता है। डबल डेकर बनाई गई बसों को लोहे के चादर और प्लाइवुड से पैक कर दिया जाता है। इनमें न इमरजेंसी गेट होता है न स्पीड गवर्नर। दिल्ली जाने वाली अधिकांश बसों का परिचालन चौक-चौराहों से हो रहा है। टूरिस्ट वीजा होने के कारण स्टैंड से इनका परिचालन नहीं होता है। स्टैंड से स्थाई परमिट वाली बसें ही खुलती हैं। हालांकि, अवैध तरीके से दिल्ली चलाई जा रही बसों के ऑनर का बैरिया, दरभंगा, मधुबनी, सीतामढ़ी बस स्टैंड में कार्यालय भी खुला है, जहां टिकट की बुकिंग की जाती है।

85 प्रतिशत बसें यूपी निबंधित, दस फीसदी दिल्ली की

मुजफ्फरपुर सहित उत्तर बिहार के जिलों के विभिन्न इलाकों से हर दिन 250 से 300 बसें यूपी, दिल्ली और राजस्थान के लिए खुलती हैं, लेकिन इनमें से महज पांच बसों का ही निबंधन मुजफ्फरपुर में हुआ है। इन बसों में 85 प्रतिशत यूपी के विभिन्न जिलों में तो 10 फीसदी नई दिल्ली में निबंधित हैं। शेष बसों का कुछ अता पता नहीं है, क्योंकि ये बाकी निबंधित बसों के कागजात के सहारे चलाई जा रही हैं। मिली जानकारी के अनुसार इन बसों का संचालन रास्तों में पड़नेवाले जिलों के परिवहन पदाधिकारियों, पुलिस थानों और अन्य संबंधित विभाग के अधिकारियों की मिलीभगत से होता है।

18 से 24 घंटे तक चालक को चलानी पड़ती है बस

लंबी दूरी की ज्यादातर बसें सिंगल ड्राइवर के हवाले रहती हैं। ऐसे में बस चालक को 18 से 24 घंटे तक लगातार बस चलानी पड़ जा रही है। इस कारण रास्ते में नींद आने के कारण भी हादसे होते हैं। नियम के अनुसार लंबी दूसरी वाली बसों में कम से कम दो चालक रखना अनिवार्य है। दो चालकों का ब्योरा देने पर ही टूरिस्ट परमिट मिलता है।

टूरिस्ट परमिट पर बसें ढो रहीं सवारी, अफसर अनजान

लंबी दूरी की ज्यादातर बसों का परिचालन टूरिस्ट परमिट पर हो रहा है। ये बसें नियमित सवारियां ढोती हैं। झारखंड व पश्चिम बंगाल को छोड़कर अन्य किसी राज्य के लिए बसों को परमिट नहीं है। टूरिस्ट परमिट पहली बार अधिकतम 14 दिनं का मिलता है। यह दो बार अधिकतम 28 दिनों के लिए बढ़ता है। अंतरराज्यीय बस परिवहन के लिए बिहार का केवल झारखंड और पश्चिम बंगाल से करार है।

स्ट्रॉबेरी की खेती कर बिहार के किसान बढ़ाएं अमदनी नीतीश सरकार का भारी सब्सिडी का ऐलान

पटना, एजेंसी। बिहार के किसानों की आमदनी को बढ़ाने के लिए सरकार कृषि क्षेत्र में स्ट्रॉबेरी की खेती की गति तेज करने पर विचार कर रही है। कश्मीर, हिमाचल और उत्तराखंड में होने वाली स्ट्रॉबेरी की खेती को बिहार में बढ़ावा दिया जाएगा। कृषि विभाग और उद्यान निदेशालय ने पहली बार मुख्यमंत्री बागवानी मिशन योजना में इसे शामिल किया है। कई जिलों में शुरू में पांच हेक्टेयर में इसकी खेती का लक्ष्य रखा गया है। किसानों को इसके लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है कि पारंपरिक खेती के साथ आमदनी बढ़ाने वाली खेती की ओर उन्मुख हों। सरकार की ओर से कहा गया है कि किसानों की इसमें रुचि बढ़ी तो अगले वर्ष से खेती के क्षेत्र में और भी विस्तार किया जाएगा। स्ट्रॉबेरी की खेती पर फिलहाल प्रति हेक्टेयर 8 लाख 40 हजार की लागत तय की गई है। इसमें किसानों को 40 फीसदी अनुदान के तहत 3 लाख 36 हजार रुपए मात्र देने होंगे। एक किसानों को अधिकतम दो हेक्टेयर तक योजना का लाभ दिया जाएगा। कृषि विभाग उद्यान निदेशालय जल्द ही इसके लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू करेगा। किसानों को पहले आओ पहले पाओ के आधार पर इस योजना का लाभ मिलेगा। सबकुछ किसानों की सजगता और जागरुकता पर निर्भर है। अगर सबकुछ ठीक रहा तो योजना में विस्तार करते हुए इसे आगे बढ़ाया जाएगा।

कुछ किसान इसकी कर रहे खेती

पटना जिले के मनेर और हथीदह में स्ट्रॉबेरी की खेती कुछ किसान निजी तौर पर कर रहे हैं। मनेर भवानीटोला के किसान रविशंकर दो एकड़ में स्ट्रॉबेरी की खेती 2021 से कर रहे हैं। इन्होंने बताया कि दस से 12 घंटे की कड़ी मेहनत करते हैं। उत्पादन प्रति प्लांट 300 से 500 ग्राम तक औसत होता है। खेत से इसे तोड़ने से लेकर पैकेजिंग कर बाजार तक भेजा जाता है। पटना शहर में भी इसकी आपूर्ति होती है। 200 से लेकर 500 रुपए प्रति किलो की दर से इसकी बिक्री होती है। डॉ. अमरजीत कुमार राय, सहायक निदेशक उद्यान पटना ने कहा कि मुख्यमंत्री बागवानी मिशन योजना में पहली बार स्ट्रॉबेरी को शामिल किया गया है। पटना जिले में अब इसकी खेती को बढ़ावा मिलेगा।

एनएच के डिवाइडर पर टेंट लगा रह रहे लोग

मोतिहारी/डुमरियाघाट, एजेंसी। बाढ़ के कहर से बेघर हुए सिसवनिया टोला के लोग एनएच 28 के डिवाईडर पर मौत के साये के बीच रात काट रहे है। दो तरफ से जो तेज रफ्तार से आती जाती गाड़ियों के सनसनाहट के बीच मौत के कुछ फासलों पर जिंदगी काट रहे है। टेंट व प्लास्टिक के तिरपाल में भय से दुबक के सुबह होने का इंतजार करते है।

तेज रफ्तार के कहर से रूबरू हो कर जोखिम में डाल कर बाढ़ पीड़ित राजमार्ग 27 के डीवाईडर दुबौली बांध के समीप बस्ती बसा लिए है। खाना- पीना से ले कर सोने जगने व रहने तक इनका सारा काम सड़क पर ही हो रहा है। सभी बाढ़ पीड़ित सड़क के डिभाईडर पर ही अपने बाल बच्चे व मवेशी के साथ बसेरा बनाये हुए है। जो डिवाइडर को घर सड़क को आंगन बनाए हुए हैं। इनके घरों में पानी घुसा पानी लगा हुआ है। बाढ़ में संग्रामपुर प्रखंड के सिसवनिया टोला के लगभग आधा दर्जन परिवार घर से बेघर हो कर सड़क पर आश्रय लिए हुए है।

चौतरफा आफत बरसा रही है कहर

बाढ़ के कहर से सड़क पर आश्रय लिए सिसवनिया टोला के लोग चौतरफा आफत से घिरे हुए है। कभी धूप तो कभी बरसात इन्हें बेहाल कर दिया है। एनएच के डिवाइटर पर लगाया है टेंटःखजुरिया चौक से कुछ दूरी पर स्थित दुबौली बांध के समीप राजमार्ग 28 के फोर लेन सड़क के बीचों बने सड़क के डिभाईडर पर एक के बाद एक प्लास्टिक तिरपाल के तम्बू बना कर दिन काट रहे है। दोनों तरफ वाहनों के रेलमरेल के बीच रह रहे हैं।

भोजपुर में ट्रेन से गिरकर मधुबनी के छात्र की मौत

आरा(भोजपुर), एजेंसी। दानापुर-पीडीडीयू रेलखंड पर जगजीवन और महतवनिया हाल्ट के बीच अप लाइन पर बुधवार को हिमगिरी एक्सप्रेस ट्रेन से गिरकर मधुबनी निवासी एक छात्र की मौत हो गई। घटना को लेकर लोगों के बीच अफरा-तफरी मची रही। जानकारी के अनुसार मृत छात्र मधुबनी जिले के जयनगर थाना क्षेत्र के राजपुताना टोला जयनगर वार्ड नंबर 5 निवासी नवल किशोर साह का बेटा प्रियांशु कुमार (19) है। वह स्नातक का छात्र था। इधर मृत छात्र के साथ मौजूद दोस्तों ने बताया कि वो लोग स्पष्ट ष्टतरुका परीक्षा देने के लिए मधुबनी से ट्रेन से पटना आए और पटना से ट्रेन से वाराणसी गए थे। परीक्षा देकर वाराणसी जब वो सभी हिमगिरी एक्सप्रेस ट्रेन से वापस पटना लौट रहे थे। लौटने के दौरान वह ट्रेन में गेट पर खड़ा था। उसी दौरान जगजीवन औश्र महतवनिया हाल्ट के बीच असंतुलित होकर ट्रेन से गिर पड़ा, जिससे उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल : इसके बाद बोगी में रहे उसके दोस्तों ने जब उन्हें नहीं देखा तो खोजबीन करना शुरू किया। तब उन्हें मालूम हुआ कि एक लड़का ट्रेन से गिरकर कट गया है। इसके बाद सभी घटनास्थल पर पहुंचे और इसकी सूचना आरा रेल पुलिस को दी। सूचना पाकर आरा रेल पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर उसका पोस्टमार्टम करवाया। घटना के बाद मृतक के घर में कोहराम बच गया है।

नदियों को सूखने से बचाने की नीतीश सरकार का ब्लूप्रिंट तैयार

पटना, एजेंसी। बिहार की नदियों को सूखने से बचाने का ब्लूप्रिंट तैयार हो गया है। जल संसाधन विभाग ने नदियों के सूखने की गंभीर समस्या से लड़ने के लिए व्यापक कार्ययोजना तैयार की है। विशेषज्ञों व इंजीनियरों की पहल पर बनी इस योजना के कार्यान्वयन के बाद माना जा रहा है कि सूबे की नदियां जल संकट से नहीं जूझेंगी और न ही गर्मी के मौसम में सूखेंगी। उन्होंने इस योजना को तैयार करने के पीछे सिर्फ एक बात को आधार बनाया है कि मानसून अवधि के अधिशेष जल को किसी सूरत में बर्बाद नहीं होने देना है, उन्हें संरक्षित करना है। विभाग ने उत्तर बिहार और दक्षिण बिहार की नदियों के लिए अलग-अलग योजना बनायी है। अधिकारियों के अनुसार उत्तर और दक्षिण बिहार की नदियों की प्रकृति अलग-अलग है, लिहाजा उनके लिए अलग-अलग योजना तैयार की गयी है। उत्तर बिहार की नदियां मानसून अवधि में उफनायी रहती हैं। यही नहीं उनमें साल के अधिसंख्य दिनों में पानी रहता है। जबकि, दक्षिण बिहार की नदियां अधिसंख्य समय सूखी रहती हैं। मानसून अवधि में भी कई नदियों में पानी नहीं रहता है। गौरतलब है कि बिहार में हर साल गर्मी के मौसम में 60 से अधिक नदियां सूख जाती हैं।

क्या होगा लाभ : इस योजना का दोहरा लाभ होगा। एक तो नदियों में जल संकट की स्थिति नहीं होगी, दूसरा भूजल स्तर बना रहेगा। जलस्रोतों की अधिकता से नदियों का अधिशेष पानी बेकार नहीं होगा। वे नदियों के पास ही संचित रहेंगे और छोटे-छोटे जलाशय के रूप में काम करेंगे।

क्या कहते हैं विभागीय मंत्री? : सूबे में हर साल बड़ी संख्या में नदियां सूखती हैं। हम इस समस्या पर बेहद गंभीर हैं। कई स्तरों पर प्रयास किया है। हम आगे भी व्यापक कार्ययोजना बनाकर काम करेंगे।

■ **विजय कुमार चौधरी,** जल संसाधन मंत्री

मुख्य बातें

उत्तर बिहार की नदियों के किनारे पोखर-तालाब और कुंओं का निर्माण किया जाएगा। इनमें मानसून अवधि में पानी का संचय होगा। यही नहीं छोटे-छोटे जल संग्रह केन्द्र होने से भूजल की स्थिति बेहतर होगी। इससे गर्मी के मौसम में पानी की किल्लत नहीं होगी। यह नदियों को सूखने से बचाने में कारगर साबित होगा। दक्षिण बिहार की नदियों में मानसून अवधि में प्राप्त अधिशेष जल को चैक डैम और वीयर बनाकर संचित किया जाएगा। इससे मानसून अवधि में बाढ़ का खतरा कम होगा। पर्याप्त मात्रा में पानी का भंडारण भी हो जाएगा। गर्मी के समय इस पानी का उपयोग नदियों को सूखे से बचाने के लिए किया जाएगा। उनमें जरूरत के हिसाब से पानी की आपूर्ति की जाएगी।

भोजपुर में दो बंदूक के साथ दो आरोपी गिरफ्तार, पुलिस की छापेमारी में 7 लाख 76 हजार कैश बरामद

एक पिस्टल और 51 गोली भी जब्त

आरा(भोजपुर), एजेंसी। भोजपुर पुलिस ने अलग-अलग दो जगहों पर छापेमारी कर तीन अवैध हथियारों के साथ दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। साथ ही एक देसी पिस्टल, दो दोनाली बंदूक और 51 कारतूस बरामद किया गया है। इसकी जानकारी एसपी प्रमोद कुमार यादव ने दी। उन्होंने बताया कि सात लाख 76 हजार नगद भी जब्त किया गया है। पकड़ा गया बदमाश पीरो थाना क्षेत्र के हुंकार टोला निवासी इंद्रदेव सिंह के पुत्र दिलीप कुमार उर्फ रामु है।

अलग-अलग प्राथमिकी दर्ज

हथियारों की बरामदगी को लेकर अलग-अलग प्राथमिकी की गई है। एसपी प्रमोद कुमार ने बताया में पीरो थाना पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि दिलीप कुमार उर्फ रामू अपने घर में अवैध हथियार रखा हुआ है और किसी घटना को अंजाम देने के प्रयास में लगा है। इस दौरान इंस्पेक्टर सुबोध कुमार के नेतृत्व में गठित टीम ने छापेमारी की। हंकार टोला गांव में दिलीप कुमार के घर को चारों तरफ से घेर लिया गया। तलाशी के दौरान एक कमरे से एक देसी पिस्टल , एक दोनाली बंदूक 41 कारतूस एवं सात लाख 76 हजार 850 रुपये बरामद किया गया।साथ ही दिलीप उर्फ रामू को धर दबोचा गया। दिलीप पूर्व में आर्म्स एक्ट मामले में जेल भी जा चुका है। टीम में दारोगा मनीष कुमार एवं बुटन सिंह शामिल थे।

दोनाली बंदूक के साथ लाला यादव गिरफ्तार

उदवंतनगर थाना क्षेत्र के गड़हां गांव में पुलिस ने छापेमारी कर दोनाली बंदूक लहराते एक बदमाश को धर दबोचा गया। एसपी प्रमोद कुमार यादव ने बताया कि पकड़ा गया हरेन्द्र सिंह उर्फ लाला यादव गड़हां गांव का निवासी है। एक दोनाली बंदूक, दस कारतूस व दो खोखा बरामद किया गया है। इसे लेकर आर्म्स एक्ट के तहत प्राथमिकी की गई है। पहले से आपराधिक इतिहास रहा है।

गुप्त सूचना पर पुलिस ने की छापेमारी

उदवंतनगर थाने में पूर्व के दो केस मिले, जो एससी-एसटी एवं आर्म्स एक्ट से संबंधित हैं। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि गड़हां गांव में एक शख्स अवैध हथियार लहरा रहा है। इसके बाद थानाध्यक्ष राम कल्याण यादव के नेतृत्व में टीम गठित कर छापेमारी की गई। इस दौरान पुलिस को देख उक्त शख्स छत से कूदकर भागने लगा। बाद में पीछा कर लाला यादव को धर दबोचा गया। निशानदेही पर मकान की तलाशी ली गई। इस दौरान कमरे से एक दोनाली बंदूक , 10 कारतूस व दो खोखा बरामद किया गया।बरामद खोखा के बारे पूछताछ कर पता लगाया जा रहा है कि उसने कहां फायरिंग की थी। टीम में दारोगा सुधीर सिंह एवं प्रशिक्षु दारोगा नीतीश कुमार समेत अन्य पदाधिकारी शामिल थे। इसे लेकर प्राथमिकी की गई है।

युवक की हत्या में दो महिला सहित चार नामजद

गोपालगंज/कुचायकोट, एजेंसी। गोपालपुर थाने के लाछपुर तकिया बारी गांव के युवक की हत्या के मामले में बुधवार को उसकी मां ने थाने में चार लोगों पर प्राथमिकी दर्ज करायी है। नामजदों में सोनिकपुर गांव की उमरावती देवी, रामाशीष मांझी, चंद्रमा मांझी व अंजली कुमारी शामिल हैं। युवक की मां फूलकुमारी देवी ने पुलिस को बताया कि विगत रविवार को सोनिकपुर गांव के रामाशीष मांझी की पत्नी उमरावती देवी ने मोबाइल पर कॉल कर उसके बेटा रवि कुमार गुप्ता को अपने घर पांच लाख रुपए व पासपोर्ट देने के लिए बुलाया। इसके बाद रवि साइकिल से उसके घर पर गया। देर रात तक उसके बेटे के नहीं लौटने पर उमरावती से पूछताछ की तो उसने बताया किआप घर जाइए वह खाना खाकर चला जाएगा। उसका बेटा सोमवार की सुबह तक नहीं घर पहुंचा तो वह उमरावती देवी के घर पर पहुंची । उसके दरवाजे में ताला लगा था। सोमवार की शाम जोगीपुर नहर के पश्चिम एक गड्ढा में उसके बेटे के शव को ग्रामीणों ने देखा।

STONE CLINIC MOTIHARI

स्टोन क्लिनिक मोतिहारी

शास्त्री नगर, महिला कॉलेज रोड, मोतिहारी, बैंक रोड, राजेश्वरी पैलेस होटल के पूरब वाली गली में

"विश्व जनसंख्या दिवस" के अवसर पर परिवार नियोजन के बारे में लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से डीएम ने सारथी रथ किया रवाना

- सदर अस्पताल से एएनएम व स्वास्थ्य कर्मियों ने निकाली जागरूकता रैली
- सभी 27 प्रखंडो के हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर पर किया जा रहा है लोगों को जागरूक

बीएनएम। मोतिहारी

"विश्व जनसंख्या दिवस'' के अवसर पर लोगों को परिवार नियोजन के बारे में जागरूक करने के उद्देश्य से जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल,डीडीसी श्री समीर सौरभ, सिविल सर्जन डॉ विनोद कुमार सिँह, डीपीएम ठाकुर विश्वमोहन, डीसीएम नंदन झा ने सारथी रथ रवाना किया। वहीं सदर अस्पताल मोतिहारी से सैकड़ों की संख्या में एएनएम, जीएन एम व स्वास्थ्य कर्मियों ने जागरूकता रैली निकाल कर महिला व पुरुष नसबन्दी के बारे में जानकारी दी।

सारथी रथ रवाना करते हुए जिलाधिकारी ने कहा की बढ़ती जनसंख्या पर रोक लगाने के उद्देश्य से पूर्वी चंपारण जिला अंतर्गत सभी 27 प्रखंडो के स्वास्थ्य संस्थानों में जनसंख्या स्थिरता पखवाड़ा का आयोजन किया जाना है इसकी शुरुआत आज समाहरणालय परिसर से की गईं है।उन्होंने बताया की आशा, व अन्य स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा योग्य दम्पतियों से सम्पर्क किया जाएगा साथ ही विशेष अभियान चलाकर जिले में परिवार नियोजन के लक्ष्य प्राप्त करने का प्रयास किया जाएगा। सिविल सर्जन डॉ विनोद कुमार सिँह ने कहा की जनसंख्या स्थिरीकरण के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना, परिवार नियोजन कार्यक्रम अंतर्गत उपलब्ध सेवाओं की जानकारी आमजन तक पहुंचाना तथा योग्य दम्पतियों को इच्छित सेवा प्रदान करना ही हमारा लक्ष्य है।उन्होंने बताया की जनसंख्या स्थिरता पखवाड़ा के बेहतर प्रबंधन एवं अन्य विभागों से समन्वय हेतु जिला स्तर पर समन्वय बैठक का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा की समुदाय स्तर पर आमजन को उत्प्रेरित करने व प्रचार - प्रसार करने में आशा, आंगनबाड़ी सेविका, जीविका दीदी, विकास मित्र आदि जागरूकता में अपनी भूमिका निभाएंगे।

दो बच्चों के बीच तीन साल का अंतर होना जरूरी- डीसीएम नंदन झा ने कहा की 11 से 31 जुलाई तक जनसंख्या स्थिरता पखवाड़ा के दौरान स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा बैनर, पोस्टर, माइकिंग द्वारा लोगों को सही उम्र में शादी, पहले बच्चे में देरी, बच्चों के बीच सही अंतर तथा छोटा परिवार के लाभ के बारे में जागरूक किया जा रहा है ।वहीं गर्भनिरोधक उपायो को अपनाने हेतु भी परामर्श दिया जा रहा है ।सभी 27 प्रखंडो के हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर पर परिवार नियोजन सेवाओं के तहत् प्रदान की जाने वाली सेवा यथा- कॉपर-टी, गर्भनिरोधक सूई/ एमपीए बंध्याकरण एवं नसबंदी की सेवा प्रदान करने पर विशेष रूप से ध्यान केंद्रित किया जाएगा।इसके सफल संचालन हेतु सांसद, विधायक, पंचायती राज संस्था के सदस्य, शहरी स्थानीय निकाय, स्वास्थ्य कर्मी एवं सिविल सोसायटी के सदस्य के साथ ही प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक, डिजिटल मीडिया चैनलों का सहयोग लिया जाएगा। उन्होंने बताया की महिला बंध्याकरण का लक्ष्य 2150, पुरुष नसबन्दी 160, आयुसीडी 4745, अंतरा सुई 5500, माला 93 हजार 680, कंडोम 02 लाख 34 हजार 200. इसीपी 40 हजार 840, छाया टेबलेट 93 हजार 680 है।

सभी सरकारी अस्पतालों में महिला बंध्याकरण व पुरुष नसबन्दी निःशुल्क कराई जाती है- डीपीएम ठाकुर विश्वमोहन ने कहा कि सरकारी अस्पतालों में महिला बंध्याकरण व पुरुष नसबन्दी निःशुल्क कराई जाती है। उन्होंने कहा कि महिला बंध्याकरण से पुरुष नसबंदी की प्रक्रिया सरल है। पुरुष नसबंदी को लेकर समाज में कई प्रकार का भ्रम फैला हुआ है। इस भ्रम को तोड़ना होगा। छोटा परिवार सुखी परिवार की अवधारणा को साकार करने के लिए पुरुष को आगे बढ़कर जिम्मेदारी उठाने की जरूरत है। नसबंदी के लिए पुरुष लाभार्थी को 3000 रुपए एवं महिला बंध्याकरण के लिए लाभार्थी को 2000 रुपए की प्रोत्साहन की राशि लाभार्थियों के खाते में भेजी जाती है। मौके पर डीडीसी समीर सौरभ,सीएस डॉ विनोद कुमार सिँह, जिला सुचना जनसंपर्क पदाधिकारी ज्ञानेश्वर प्रकाश, डीपीएम ठाकुर विश्वमोहन, डीसीएम नंदन झा, पीएसआई जिला प्रबंधक अमित कुमार, पिरामल डीसी मुकेश कुमार, सिफार डीसी सिद्धांत कुमार,सी 3 डीसी आदित्य कुमार,अरविन्द कुमार, संजीव कुमार पाण्डेय व अन्य स्वास्थ्य कर्मी उपस्थित थे।

जिलाधिकारी ने की आंतरिक संसाधन एवं राजस्व से संबंधित मामलों की समीक्षा

बीएनएम। मोतिहारी

समाहरणालय स्थित डॉ. राजेंद्र प्रसाद सभा भवन में जिलाधिकारी श्री सौरभ जोरवाल के द्वारा आंतरिक संसाधन एवं राजस्व से संबंधी मामलों की समीक्षा बैठक की गई। उक्त बैठक में अपर समाहर्त्ता , अनुमण्डल पदाधिकारी, सभी भूमि सुधार उप समाहर्त्ता एवं सभी अंचलाधिकारी उपस्थित थे। आंतरिक संसाधन की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी के द्वारा पदाधिकारियों को लक्ष्य के अनुरूप राजस्व संग्रहण में तेजी लाने का निर्देश दिया गया। समीक्षा में पाया गया कि राज्य कर संयुक्त आयुक्त वाणिज्य कर मोतिहारी के द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए निर्धारित लक्ष्य 31618 लाख के विरुद्ध जून माह तक 6595 लाख राजस्व संग्रह संग्रह किया गया है जो लक्ष्य का 20.86 प्रतिशत रहा है। राज्य कर संयुक्त आयुक्त वाणिज्य कर रक्सौल के द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए

निर्धारित लक्ष्य 10635 लाख के विरुद्ध 2483 लाख की प्राप्ति की गई है जो लक्ष्य का 23.35 प्रतिशत रहा है। जिला परिवहन कार्यालय के द्वारा वित्तीय वर्ष के लिए 11100 लाख के विरुद्ध 2437 लाख की राजस्व प्राप्त की गई है जो निर्धारित लक्ष्य के 21.96 प्रतिशत रहा है। सहायक खनन पदाधिकारी के द्वारा बताया गया कि निर्धारित वार्षिक लक्ष्य 4266 लाख के विरुद्ध 504 लाख के राजस्व की प्राप्ति की गई है जो लक्ष्य का 11.83 प्रतिशत रहा है। अवर निबंधक मोतिहारी ने बताया कि 178 लाख की वार्षिक लक्ष्य के विरुद्ध अभी तक 32.91 लाख का राजस्व प्राप्त किया गया है जो लक्ष्य का 18 प्रतिशत रहा है। नगर निगम मोतिहारी के द्वारा निर्धारित लक्ष्य 995 लाख के विरुद्ध 248 लाख की राजस्व की प्राप्ति की गई है जो निर्धारित लक्ष्य का 25 प्रतिशत रहा है। विद्युत आपूर्ति प्रमंडल मोतिहारी के द्वारा वर्तमान वित्तीय वर्ष में जून माह तक के लिए निर्धारित 7014 लाख के विरुद्ध 5624 लाख का राजस्व प्राप्त किया गया है जो निर्धारित लक्ष्य का 80% है। इसी प्रकार विद्युत आपूर्ति प्रमंडल रक्सौल के द्वारा 85% एवं विद्युत आपूर्ति प्रमंडल चकिया के द्वारा 68.52% का लक्ष्य प्राप्त किया गया है। अन्य विभागों के राजस्व प्राप्ति की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने पदाधिकारियों को निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप राजस्व संग्रहण के लिए लगातार प्रयास करने का निर्देश दिया गया। राजस्व एवं भूमि सुधार से संबंधित मामलों में दाखिल-खारिज के लंबित वादों, परिमार्जन, एलपीसी, लोक भूमि अतिक्रमण, आधार सीडिंग, अभियान बसेरा-2, जमाबंदी अपडेशन, भू-मापी एवं न्यायालय से संबंधित वादों की समीक्षा की गई और त्वरित निष्पादन का निदेश संबंधी अंचलाधिकारी को दिया गया। जिलाधिकारी के द्वारा विकासात्मक कार्यों के दृष्टिगत पंचायत सरकार भवन के मामले में भूमि चिन्हित कर सीमांकन के साथ प्रतिवेदन उपलब्ध कराने तथा विभाग से प्राप्त अधियाचना के आलोक में भवन संरचना के निर्माण हेतु भूमि हस्तानांतरण के लिए प्रस्ताव उचित माध्यम से शीघ्र भेजने का निदेश दिया गया। जन कल्याण भावना के दृष्टिकोण से अभियान बसेरा-2 के तहत चिन्हित भूमिहीनों को वास भूमि चिन्हित कर प्रस्ताव अनुमोदनोपरांत भूमि उपलब्ध कराने का निदेश अंचलाधिकारी को दिया गया।

श्रम संसाधन विभाग ने प्रतिष्ठानों में चलाया सघन जाँच अभियान

बीएनएम। मोतिहारी

श्रम संसाधन विभाग बिहार के निर्देश के आलोक में एवं श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी, चकिया के नेतृत्व में चकिया प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत विशेष धावा दल के द्वारा विभिन्न प्रतिष्ठानों में सघन जाँच अभियान चलाया गया। जाँच के क्रम में चकिया प्रखंड के कुल-02 प्रतिष्ठानों क्रमशः राधे-राधे स्वीट्स एवं जायका मसाला चिकेन से 01-01 बाल श्रमिक अर्थात कुल-02 बाल श्रमिकों को धावा दल की टीम के द्वारा विमुक्त कराया गया। साथ ही श्रम अधीक्षक अनिल कुमार सिंह द्वारा यह स्पष्ट किया गया कि यह अभियान पूर्वी चंपारण जिला अंतर्गत लगातार क्रियाशील रहेगा। बाल एवं किशोर श्रम (प्रतिषेध एवं विनियमन) अधिनियम, 1986 के तहत सभी नियोजकों के विरूद्ध संबंधित थाने में प्राथमिकी दर्ज करने की कार्रवाई की जा रही है जबकि सभी विमुक्त बाल श्रमिकों को बाल कल्याण

समिति, पूर्वी चंपारण, मोतिहारी के समक्ष उपस्थापित कर उन्हें बाल गृह में रखा गया है। श्रम अधीक्षक अनिल कुमार सिंह द्वारा बताया कि बच्चों से प्रतिष्ठान में कार्य कराना बाल एवं किशोर श्रम प्रतिषेध एवं विनियमन के अंतर्गत गैर कानूनी है। बाल एवं किशोर श्रम (प्रतिषेध एवं विनियमन) अधिनियम, 1986 के अतर्गत बाल श्रमिकों से कार्य कराने वाले व्यक्तियों को 20 हजार रूपये से 50 हजार रूपये तक का जुर्माना और 2 वर्षों तक का कारावास का प्रावधान है। इसके अतिरिक्त माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निदेश के आलोक में सभी नियोजकों से 20,000/- (बीस हजार रू.) प्रति बाल श्रमिक की दर से राशि की वसूली की जाएगी। इस विशेष धावा दल की टीम में श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी, चकिया, श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी, मेहसी, श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी, फेनहरा , प्रयास संस्था के प्रतिनिधि, न्याय नेटवर्क परियोजना डंकन हॉस्पिटल रक्सौल के प्रतिनिधि एवं चकिया थाना से 05 पुलिस कर्मी एवं एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट की टीम शामिल थी।

वायु सेना के जूनियर वारंट ऑफिसर के हत्यारों को न्यायालय ने सुनाई सजा

- फिलहाल 3 आरोपी पाए गये हैं बाकियों पर चल रही है अलग सेशन कोर्ट में मुकदमा
- संग्रामपुर थाना कांड संख्या 05 /2022 में तीन आरोपी हत्या के दोषी पाया गया

बीएनएम। मोतिहारी कोर्ट। आलोक चन्द्रा

गुरुवार 11 जुलाई 2024 को जिला एवं सत्र न्यायाधीश 22, मोतिहारी, पूर्वी चंपारण रेशमा वर्मा के न्यायालय में चल रहे सेशन ट्रायल संख्या 466/2022 राज्य बनाम चन्देश्वर मुखिया व अन्य में तीन आरोपी चन्देश्वर मुखिया, मुन्ना मुखिया एवं शम्भु मुखिया को वायु सेना में जूनियर वारंट ऑफिसर के पद पर कार्यरत आदित्य कुमार उर्फ आलोक तिवारी के निर्मम हत्या में आजीवन कारावास के साथ 10000 हजार रुपए आर्थिक दंड दिया गया है। आर्थिक दंड की राशि जमा नहीं करने पर एक वर्ष की सजा और बढ़ जाएगी। बताते चलें कि 7 जनवरी 2022 को अपराह्न में 7 नामजद अभियुक्त चन्देश्वर मुखिया, सब्बी मुखिया, मुन्ना मुखिया, शम्भु मुखिया, उपेंद्र

मुखिया, इंदल मुखिया एवं ब्रजेश मुखिया तथा 20-25 अज्ञात आपराधिक लोगों ने मिलकर थाना क्षेत्र के घुसियार बाजार के नहर के पास सरसों लगी खेत में हत्या कारित किया था। उपरोक्त सभी अभियुक्तों पर भारतीय दंड विधान के धारा 302 के अंतर्गत मृतक के पिता चन्देश्वर तिवारी के आवेदन पर केस रजिस्टर्ड हुआ था। उक्त थाना कांड में सेशन ट्रायल संख्या 466/2022 में स्वतंत्र 7 साक्षियों के साक्ष्य दिया गया। वहीं चिकित्सक अतहर हुसैन तथा अनुसंधानकर्ता रामाकांत उपाध्याय एवं संजय प्रसाद एवं लोक अभियोजक साधु शरण सिंह, एवं अभियोजन पक्ष के तरफ से अधिवक्ता राजीव कुमार द्विवेदी उर्फ पप्पू दूबे ने मजबूत दलीलें न्यायालय के सामने रखा। वहीं अभियुक्तों की ओर से पटना उच्च न्यायालय के अंशुल एवं स्थानीय अधिवक्ता राकेश कुमार उर्फ राकेश कुमार सिंह ने अपनी दलीलें रखी थी। कुल सात अभियुक्तों में उपरोक्त तीन को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है।

वहीं दो अन्य आरोपी सब्बी मुखिया और ब्रजेश मुखिया काराधिन है तथा इंदल मुखिया एवं उपेंद्र मुखिया अभी तक फरार चल रहे हैं। वहीं मृतक के आश्रितों को जिला विधिक सेवा प्राधिकार से आर्थिक सहायता के लिए न्यायालय द्वारा अलग से पत्र भेजा गया है।

MADAN RAJ NURSING HOME
HOSPITAL ROAD MOTIHARI, (BIHAR)
Contact No.- 9801637890, 6200480505, 9113274254

दो ग्रुप इंस्ट्रक्टर के कंधों पर छः ट्रेड के प्रशिक्षणार्थियों का भविष्य

बीएनएम। केसरिया। अमृतेश कुमार ठाकुर

- फेनहराकर्मियों की कमी के कारण प्रभावित हो रहा प्रशिक्षण कार्य
- आईटीआई (चकिया) केसरिया का हाल

सरकार औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के प्रशिक्षार्थियों की कौशल क्षमता को और बेहतर करने को लेकर लगातार प्रयास कर रही है। इसके लिए अनुमंडल स्तर पर आईटीआई की स्थापना कर तथा इसके लिए करोड़ों रुपया खर्च कर इन संस्थाओं में अत्याधुनिक मशीन लगाया गया है। ताकि युवाओं को प्रशिक्षण दिया जा सके। लेकिन अनुदेशकों व अन्य कर्मियों की कमी के कारण सरकार द्वारा किया जा रहा यह प्रयास विफल साबित होता दिखायी दे रहा है। अनुमंडल का औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (चकिया) केसरिया प्रखण्ड क्षेत्र के महम्मदपुर दुम्मा में स्थित है। जहाँ वर्तमान सत्र में छः ट्रेड में करीब डेढ़ सौ प्रशिक्षणार्थी नामांकित है। लेकिन इनको प्रशिक्षण देने के लिए मात्र दो जीआई तैनात हैं। जिससे गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण देने का दावा खोखला साबित होता दिखाई दे रहा है।

छः ट्रेड में दिया जाता है प्रशिक्षण- औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (चकिया) केसरिया अपने स्थापना काल से मोतिहारी में संचालित होता था। वर्ष 2022 के जून माह में केसरिया के महम्मदपुर दुमा स्थित नये भवन में शिफ्ट हुआ। जिसके बाद से यहाँ से प्रशिक्षण का कार्य शुरू हुआ। इस संस्थान में इलेक्ट्रिशियन, आईसीटीसीएम, इलेक्ट्रॉनिक्स मैकेनिक, डीजल मैकेनिक, फिटर व वेल्डर ट्रेड में करीब डेढ़ सौ सीट है। जानकारी है कि वर्तमान सत्र में सभी सीट पर नामांकन हुआ है।जिनके लिए मात्र दो ग्रुप इंस्ट्रक्टर की तैनाती है। इससे अनुमान लगाया जा सकता जा कि इन युवाओं को किस स्तर से प्रशिक्षण दिया जाता होगा।

टाटा द्वारा स्थापित किया गया है सीओई- टाटा टेक्नोलॉजी व बिहार सरकार द्वारा एमओयू के तहत इस संस्थान परिसर में सेंटर ऑफ एक्सलेन्स (सीओई) की स्थापना की गई है। इसके अलावा टाटा द्वारा इस भवन में इंटरनेट ऑफ थिंग्स लैब, प्रोडक्ट वेरिफिकेशन एनालाईसिस लैब, एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग लैब, ई-लर्निंग लैब व एडवांस मैन्युफैक्चरिंग लैब की भी स्थापित की गई है। आईटीआई में प्रशिक्षण प्राप्त करे रहे युवाओं को इस सेंटर में अत्याधुनिक तकनीक के बारे में जानकारी दी जाती है। जिसके लिए टाटा द्वारा दो सब्जेक्ट मैटर एक्सपर्ट मो सरफराज व छोटू कुमार को प्रतिनियुक्त किया है।

प्रशिक्षणार्थियों की अनुपस्थिति से हो रही परेशानी- इस संस्थान में प्रशिक्षणार्थियों व कर्मियों की बायोमेट्रिक हाजिरी बनती है। इसके बावजूद बच्चों की उपस्थिति बहुत कम रहती है। कम संख्या में उपस्थिति के कारण सीओई पर प्रभाव पड़ रहा है। फिलहाल करीब एक माह से बायोमेट्रिक मशीन खराब है। बताया जाता है कि अधिकांश बच्चे इस संस्थान में नामांकन कराकर कहीं अन्यत्र अपनी तैयारी करते हैं। जिसके कारण ऐसे बच्चे संस्थान आना मुनासिब नहीं समझते। लेकिन सवाल है कि बायोमेट्रिक हाजिरी को कैसे मैनेज किया जाता है! हाँ! परीक्षा फॉर्म भरने या अन्य कार्यों से बच्चे संस्थान में अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हैं।

कर्मियों की है कमी- इस संस्थान में कर्मियों का घोर अभाव है। प्राचार्य के अलावा दो ग्रुप इंस्ट्रक्टर उमेश रविदास व अविनाश कुमार, प्रधान लिपिक राकेश रंजन व एक डाटा ऑपरेटर लक्ष्मीनारायण प्रसाद पदस्थापित हैं। वहीं आउटसोर्सिंग के माध्यम से नौ कार्यालय परिचारी प्रतिनियुक्त हैं। कार्यालय परिचारी भूषण बैठा, श्रीभगवान प्रसाद सहित अन्य की माने तो इन लोगों का मानदेय काफी कम मिलता है। जिससे इन लोगों के समक्ष परिवार के भरण-पोषण की समस्या हो रही है। इन आउटसोर्सिंग कर्मियों ने मानदेय बढोतरी की मांग की।

क्या कहते हैं प्राचार्य- औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (चकिया) केसरिया के प्रभारी प्राचार्य शम्भू रजक ने बताया कि अनुदेशकों व अन्य कर्मियों की कमी है। जिसके कारण परेशानी होती है। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षणार्थियों को नियमित संस्थान आने के लिए प्रेरित किया जाएगा। वहीं खराब पड़े बायोमेट्रिक अटेंडेंस मशीन को ठीक कराया जाएगा।

आपसी विवाद में मारपीट, प्राथमिकी दर्ज

बीएनएम। बगहा।नसीम खान

"क्या" बगहा पुलिस जिला के वाल्मीकिनगर थाना क्षेत्र भेडिहारी निवासी मंजू देवी पति मुन्ना कुमार वर्मा ने थाने में आवेदन दे चार लोगों के विरुद्ध मारपीट कर जख्मी करने के मामले में प्राथमिकी दर्ज कराई है।उसने अपने अपने आवेदन में लिखा है की 9 जुलाई को दोपहर तारा देवी मेरे दीवार पर गोबर फेंक रही थी।माना करने पर मुझे गाली देते हुए अपने बच्चे आशीष कुमार,सोनू कुमार और आरती कुमारी को बुलाया। उक्त सभी लोग अपने हाथ में लोहे का रोड, दाब और लाठी ले कर आए और मुझे मारने लगे।मुझे पीटता देख मेरे पति मुझे बचाने आए तभी उन लोगों के द्वारा रॉड से मेरे पति के सिर पर मारा गया।जिससे उनका सिर फट गया और खून बहने लगा ।साथ ही मेरे साथ भी उन लोगों ने बुरी तरह से मार पीट किया।हम लोगों को मरा समझ कर छोड़ कर चले गए।इस बाबत जानकारी देते हुए थानाध्यक्ष विजय प्रसाद राय ने बताया कि आवेदन के आलोक में थाना कांड संख्या 65/24 दर्ज करते हुए अग्रेतर कार्रवाई की जा रही है।

विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर जनसंख्या स्थिरता पखवाड़ा की शुरुआत

बीएनएम। केसरिया

विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर गुरुवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर में जनसंख्या स्थिरता पखवाड़ा का शुभारंभ किया गया। जिसका उद्घाटन प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ अर्चना ने किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि वैश्विक जनसंख्या और उससे जुड़ी चुनौतियों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए समर्पित दिन है। जनसंख्या नियंत्रण को लेकर आमलोगों को जागरूक करने के लिए पखवाड़ा का आयोजन किया जा रहा है। इस वर्ष यह पखवारा विकसित भारत की नई पहचान, परिवार नियोजन हर दंपति की शान थीम के तहत मनाया जा रहा है। प्रभारी चिकित्सा प्रभारी ने का कि परिवार नियोजन के महत्व लैंगिक समानता, गरीबी, मातृ स्वास्थ्य और मानव अधिकारों जैसे विभिन्न जनसंख्या संबंधित मुद्दों पर लोगों की जागरूकता बढ़ाना है। इसका लक्ष्य जनसंख्या के मुद्दों तथा यह कैसे समग्र विकास योजनाओं और कार्यक्रमों को प्रभावित करता है इस पर लोगों का ध्यान केंद्रित करना है। बिहार में परिवार नियोजन एक महत्वपूर्ण मुद्दा है, जो राज्य के सामाजिक और आर्थिक विकास से सीधे जुड़ा हुआ है। इस अवसर पर उपस्थित महिलाओं को गर्भनिरोधक के सुरक्षित उपाय की जानकारी दी गई। मौके पर प्रखंड स्वास्थ्य प्रबंधक धर्मराज कुमार, परिवार नियोजन सलाहकार विनय कुमार, जीएनएम स्वाति कुमारी, धीरेन्द्र प्रसाद सहित आशा कार्यकर्ता व अन्य स्वास्थ्य कर्मी उपस्थित थे। बता दें कि जनसंख्या स्थिरता पखवाड़ा का आयोजन 11 से 31 जुलाई तक किया जाएगा।

गंडक नदी के जलस्तर में उछाल और गिरावट के बाद पीपी तटबंध के छतिग्रस्त हिस्से पर युद्धस्तर पर बचाव कार्य जारी

बीएनएम। बगहा

मधुबनी के पीपी तटबंध पर फिलहाल कोई खतरा नहीं है। पिछले दिनों नदी के जलस्तर में हुई गिरावट के बाद थोड़ा दबाव जरूर बना है जिसके बाद एक्सपर्ट अब्दुल हमीद के नेतृत्व में दिन रात एक कर सैंड जियो बैग से धंसे व क्षतिग्रस्त हिस्से को रिस्टोर किया गया है और स्पर और बाँध पूरी तरह सुरक्षित होनें का दावा किया जा रहा है। बताया जा रहा है की यूपी बिहार की लाइफ लाइन पिपरा - पिपरासी तटबंध के धनहा रंगलल्हीं के समीप बांध पर दबाव बना था और नोज व निचले हिस्सा क्षतिग्रस्त हुए थे लिहाजा आनन फानन में बचाव कार्य शुरू किया गया। दरअसल गंडक नदी के जलस्तर में उछाल और गिरावट के बाद दबाव बना था, इसकी पुष्टि जल संसाधन विभाग के एक्सपर्ट अब्दुल हमीद ने किया है उन्होंने दावा किया है की स्थिति थोड़ी बिगड़ी थी, लेकिन फिलहाल नियंत्रण में है युद्धस्तर पर बचाव कार्य जारी हैं। इधर इंडो नेपाल बॉर्डर पर स्थित वाल्मीकिनगर गंडक बराज से आज फ़िर ढाई लाख क्यूसेक पानी छोड़ा गया है और नेपाल के जल अधिग्रहण क्षेत्रों में भारी बर्षा हों रही है लिहाजा इसको लेकर विभाग पूरी तरह अलर्ट मोड में है और लोग भी अब राहत महसूस क़र रहें, किसी भी खतरा से इंकार क़र राहत बचाव कार्य को संतोषजनक बता रहें हैं।

स्पंदना स्फूर्ती फाइनेंस बैंक में घुसकर अपराधियों ने लूटे 8 लाख रुपए व तीन मोबाइल

बीएनएम। हरसिद्धि

थाना क्षेत्र के धनखरैया में हरसिद्धि छपवा मुख्य मार्ग के सटे पूरब एक मकान में संचालित स्पंदना स्फूर्ति फाइनेंस बैंक से बुधवार की रात करीब 9:20 बजे हथियारबंद अपराधियों ने बैंक में घुसकर 7 लाख 98 हजार रुपए लूट लिए साथ ही उसमें बैठे तीन कर्मियों के मोबाइल भी लूट लिए। ब्रांच का एरिया मैनेजर मुकेश कुमार गिरि ने बताया कि मेन गेट पर कुंडी लगा हुआ था और ऑफिस अभी खुला हुआ था। इसी बीच अपराधी आए और गेट की कुंडी हटाकर ब्रांच में घुस गए और उसमें बैठे तीन कर्मी एरिया मैनेजर मुकेश कुमार गिरि, गोविंद कुमार और पप्पू कुमार के साथ मारपीट किया। उनसे अलमीरा की चाबी छीन कर अलमीरा खोलकर 7 लाख 98 हजार रुपए लूट कर फरार हो गए। श्री गिरि ने बताया कि सभी पांच अपराधी मास्क लगाए हुए थे, हेलमेट पहने हुए थे और हाथ में ग्लव्स लगाए हुए थे, सभी अपराधी दो बाइक से आए थे। उन्होंने बताया कि ब्रांच के अन्य फील्ड वर्कर अपने स्टाफ रूम में सोए हुए थे, उन्हें बाहर से बंद कर अपराधी अंदर घुस गए थे। उन्होंने बताया कि शीघ्र ही 112 नंबर पर फोन किया गया तो 112 नंबर की पुलिस पहुंची। साथ में हरसिद्धि थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर निर्भय निर्भय कुमार राय व अरेराज और पहाड़पुर थाना के भी पुलिस पहुंची। वही एक फील्ड वर्कर राजा कुमार यादव ने बताया कि इसी ब्रांच के कर्मी श्रवण कुमार एवं संदीप कुमार से भी 5 मई 2024 को सुगौली थाना क्षेत्र में पिस्तौल का भय दिखाकर 1 लाख 62 हजार लूट लिया गया था। डीएसपी रंजन कुमार सिंह ने बताया कि फिलहाल सभी बैंक कर्मियों को थाना पर बुलाकर पूछताछ की जा रही है। टेक्निकल सेल की टीम कार्रवाई में जुटी हुई है, जांच चल रही है। उन्होंने बताया कि बहुत जल्द ही अपराधियों की गिरफ्तारी कर ली जाएगी। उन्होंने बताया कि संदेश के आधार पर बैंक कर्मियों के मोबाइल को लेकर भी जांच की जा रही है।

प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर हुआ नगर भ्रमण

बीएनएम। हरसिद्धि

प्रखंड के मटियरिया पंचायत रामायणी बाबा मठ में गुरुवार को सप्त दिवसीय श्री 1008 प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ को लेकर भव्य नगर भ्रमण यात्रा निकाली गई गाजे- बाजे से सुसज्जित यात्रा के साथ पुरुष महिलाएं शामिल थी। नगर भ्रमण यात्रा यज्ञ स्थल से निकलकर इंग्लिश मटियरिया निजामत मठलोहियार से लाला टोला होते पिपरा सहित कई गांव का भ्रमण करते हुए यज्ञ स्थल पर पहुंची। जहां पर यज्ञाचार्य पंडित रामबाबू पाराशर दिवाकर उपाध्याय राज किशोर पांडे जितेंद्र उपाध्याय, नीरज मिश्रा, ओमप्रकाश शास्त्री के वैदिक मंत्रोच्चार के बीच यज्ञ मंडप तक पहुंची। आचार्य रामबाबू पाराशर ने कहा यज्ञ की आयोजन से लोगों के धार्मिक विचार का संचार के साथ-साथ हवन व मंत्र के उच्चारण से वायुमंडल शुद्ध होता है। क्षेत्र में सुख शांति व समृद्धि आती इस मौके पर यजमान राजकुमार चतुर्वेदी एवं ग्रामीण जितेंद्र ठाकुर, जगदिश ठाकुर, ध्रुप पासवान, विकी पासवान, रंजीत पासवान, प्रमुख पुत्र मनोज राम विजय ठाकुर, विक्रमा साह, रामेश्वर साह, अमर पटेल, राजद जिला उपाध्यक्ष पंचायती राज प्रकोष्ठ प्रिंस कुमार, भुलन पंडित इत्यादि समस्त ग्रामवासी उपस्थित रहे।

CENTER CODE- BR-12870035
SAKSHI COMPUTER INSTITUTE
भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त शिक्षण संस्थान
A UNIT OF BDS COMPUTER PVT. LTD.
A RIGHT PLACE FOR YOUR STUNING PERSONALITY
COME AND LEARN COMPUTER WITH US
Tally Prime
ADCA DCA CCC
COMPUTER BASIC
ADVANCE EXCEL
YADOPUR ROAD, HARSIDHI, EAST CHAMPARAN
9470050309 RAKESH KUMAR bdscomputer.in

हिन्दुत्व, भारतीय राष्ट्रवाद और सांस्कृतिक पहचान

आधुनिक संदर्भ में, हिन्दुत्वने एक राजनीतिक और सामाजिक आंदोलन का रूप ले लिया है, जो भारतीय राष्ट्रवाद और सांस्कृतिक पहचान के विचारों को आगे बढ़ाता है। हिन्दुत्व की अवधारणा को समझने के लिए, हमें सबसे पहले इसकी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि को समझना होगा। हिन्दुत्व शब्द का प्रयोग 19वीं शताब्दी के उत्तरार्ध में शुरू हुआ, लेकिन इसकी जड़ें भारतीय उपमहाद्वीप के प्राचीन इतिहास में गहरी हैं। यह शब्द 'हिन्दू' और 'तत्व' से मिलकर बना है, जिसका अर्थ है हिन्दू होने का सार' या 'हिन्दू विचारधारा का मूल तत्व'।

हिन्दुत्व ऐसी अवधारणा है जो भारतीय समाज और राजनीति में गहरी जड़ें जमाए हुए है। यह शब्द केवल एक धार्मिक विचारधारा का प्रतिनिधित्व नहीं करता, बल्कि एक जीवन दर्शन, सांस्कृतिक पहचान और राष्ट्रीय चेतना का भी प्रतीक है। हिन्दुत्व को समझने के लिए, जैसा कि कहा गया है, व्यक्ति को सर्वप्रथम 'स्व' को जागृत करना होगा। यह आत्म-जागृति की प्रक्रिया न केवल व्यक्तिगत स्तर पर महत्वपूर्ण है, बल्कि समाज और राष्ट्र के स्तर पर भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। हिन्दुत्व की अवधारणा को समझने के लिए, हमें इसके ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, धार्मिक और राजनीतिक आयामों का गहन अध्ययन करना होगा। यह विचारधारा भारतीय उपमहाद्वीप के प्राचीन ज्ञान और परंपराओं से उत्पन्न हुई है, लेकिन समय के साथ इसने कई परिवर्तन और विकास देखे हैं। आधुनिक संदर्भ में, हिन्दुत्वने एक राजनीतिक और सामाजिक आंदोलन का रूप ले लिया है, जो भारतीय राष्ट्रवाद और सांस्कृतिक पहचान के विचारों को आगे बढ़ाता है। हिन्दुत्व की अवधारणा को समझने के लिए, हमें सबसे पहले इसकी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि को समझना होगा। हिन्दुत्व शब्द का प्रयोग 19वीं शताब्दी के उत्तरार्ध में शुरू हुआ, लेकिन इसकी जड़ें भारतीय उपमहाद्वीप के प्राचीन इतिहास में गहरी हैं। यह शब्द 'हिन्दू' और 'तत्व' से मिलकर बना है, जिसका अर्थ है हिन्दू होने का सार' या 'हिन्दू विचारधारा का मूल तत्व'।

हालांकि, यह केवल धार्मिक प्रथाओं तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यह एक व्यापक सांस्कृतिक और दार्शनिक दृष्टिकोण है जो जीवन के सभी पहलुओं को समाहित करता है। हिन्दुत्व की अवधारणा को समझने के लिए व्यक्ति को अपने आंतरिक स्व को जागृत करना आवश्यक है। यह आत्म जागरण की प्रक्रिया है जो व्यक्ति को अपने वास्तविक स्वरूप को पहचानने में मदद करती है। हिन्दू दर्शन में, यह माना जाता है कि प्रत्येक व्यक्ति में एक दिव्य चेतना निहित है, जिसे आत्मा कहा जाता है। इस आत्मा की पहचान और इसके साथ तादात्म्य स्थापित करना ही हिन्दुत्वका मूल लक्ष्य है। हिन्दुत्व में आत्म जागरण की प्रक्रिया कई चरणों से गुजरती है। सबसे पहले, व्यक्ति को अपने वर्तमान स्थिति के प्रति जागरूक होना पड़ता है। यह जागरुकता न केवल बाहरी परिस्थितियों के प्रति होती है, बल्कि अपने आंतरिक विचारों, भावनाओं और प्रवृत्तियों के प्रति भी होती है। इस जागरुकता के माध्यम से व्यक्ति अपने जीवन में मौजूद असंतुलन और अशांति के कारणों को समझ सकता है। दूसरा चरण है स्वयं के प्रति ईमानदार होना। हिन्दुत्व में यह माना जाता है कि सत्य की खोज ही मोक्ष या आत्मज्ञान का मार्ग है। इसलिए व्यक्ति को अपनी कमजोरियों, भयों और अहंकार को स्वीकार करना सीखना चाहिए। यह स्वीकृति ही आगे के विकास का आधार बनती है। तीसरा चरण है आत्मसुधार की प्रक्रिया।

एक बार जब व्यक्ति अपनी वर्तमान स्थिति को स्वीकार कर लेता है, तो वह उन क्षेत्रों पर काम कर सकता है जहां सुधार की आवश्यकता है। यह सुधार शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक और आध्यात्मिक सभी स्तरों पर होना चाहिए। हिन्दुत्व में योग, ध्यान, और विभिन्न साधनाओं का महत्व इसी कारण से है, क्योंकि ये प्रथाएं व्यक्ति को समग्र विकास में सहायता करती हैं। चौथा चरण है सेवा और त्याग का मार्ग। हिन्दुत्वमें यह माना जाता है कि वास्तविक आत्मज्ञान तभी संभव है जब व्यक्ति अपने अहंकार से ऊपर उठकर दूसरों की सेवा में लग जाए। यह सेवा भौतिक रूप में हो सकती है, जैसे गरीबों की मदद करना, या आध्यात्मिक रूप में, जैसे दूसरों को ज्ञान देना। त्याग का अर्थ है अपने स्वार्थ को छोड़कर बृहत्तर हित के लिए कार्य करना। पांचवां और अंतिम चरण है आत्म साक्षात्कार या मोक्ष की प्राप्ति। यह वह अवस्था है जहां व्यक्ति अपने वास्तविक स्वरूप को पहचान लेता है और उसके साथ एकाकार हो जाता है। हिन्दुत्वमें यही जीवन का परम लक्ष्य माना जाता है। हिन्दुत्व को समझने के लिए व्यक्ति को इन सभी चरणों से गुजरना पड़ता है। यह एक लंबी और चुनौतीपूर्ण यात्रा हो सकती है, लेकिन यह एक ऐसी यात्रा है जो व्यक्ति को अपने सच्चे स्वरूप तक ले जाती है। हिन्दुत्व की एक महत्वपूर्ण अवधारणा है 'वसुधैव कुटुम्बकम्' अर्थात 'पूरा विश्व एक परिवार है'। यह विचार व्यक्ति को अपने संकीर्ण दृष्टिकोण से बाहर निकलकर एक व्यापक दृष्टिकोण अपनाने के लिए प्रेरित करता है। जब व्यक्ति समझता है कि वह इस विशाल ब्रह्मांड का एक अभिन्न अंग है, तो उसके अंदर करुणा और प्रेम का भाव जागृत होता है। यह भाव न केवल अन्य मनुष्यों के प्रति होता है, बल्कि सभी जीवों और प्रकृति के प्रति भी होता है। हिन्दुत्व में प्रकृति के साथ सामंजस्य का विशेष महत्व है। यह माना जाता है कि प्रकृति ईश्वर का ही एक रूप है और इसलिए इसका सम्मान और संरक्षण करना हमारा कर्तव्य है। यह दृष्टिकोण व्यक्ति को पर्यावरण के प्रति संवेदनशील बनाता है और उसे प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के लिए प्रेरित करता है।

हिन्दुत्व में कर्म का सिद्धांत एक केंद्रीय स्थान रखता है। इस सिद्धांत के अनुसार, हमारे प्रत्येक कार्य का एक परिणाम होता है, और ये परिणाम न केवल इस जन्म में बल्कि आने वाले जन्मों में भी हमें प्रभावित करते हैं। यह सिद्धांत व्यक्ति को अपने कर्मों के प्रति जागरूक और जिम्मेदार बनाता है। यह उसे यह समझने में मदद करता है कि उसके वर्तमान जीवन की परिस्थितियां उसके पूर्व कर्मों का परिणाम हैं, और उसके वर्तमान कर्म उसके भविष्य को आकार देंगे।हिन्दुत्व में धर्म का अर्थ केवल धार्मिक प्रथाओं तक सीमित नहीं है। यहां धर्म का अर्थ है 'जो धारण करता है' या 'जो सृष्टि को एक साथ बांधे रखता है'। इस प्रकार, धर्म का पालन करना न केवल पूजा-पाठ करना है, बल्कि उन नैतिक और आध्यात्मिक मूल्यों को अपनाना है जो समाज और प्रकृति के संतुलन को बनाए रखते हैं। हिन्दुत्व में योग का एक विशेष स्थान है। योग का अर्थ है 'जोड़ना' या 'एकीकरण'। यह एक ऐसी प्रक्रिया है जो व्यक्ति के शरीर, मन और आत्मा को एक साथ जोड़ती है। योग के माध्यम से व्यक्ति न केवल शारीरिक स्वास्थ्य प्राप्त करता है, बल्कि मानसिक शांति और आध्यात्मिक उन्नति भी प्राप्त करता है।हिन्दुत्वमें समय की अवधारणा चक्रीय है। यह माना जाता है कि सृष्टि का निरंतर सृजन, पालन और संहार होता रहता है। यह दृष्टिकोण व्यक्ति को यह समझने में मदद करता है कि परिवर्तन जीवन का एक अभिन्न अंग है, और इसलिए उसे परिवर्तन को स्वीकार करना और उसके साथ समायोजित होना सीखना चाहिए।हिन्दुत्व में आत्मनिर्भरता और स्वाधीनता पर बल दिया जाता है। यह व्यक्ति को अपने आप पर निर्भर रहने और अपने फैसले खुद लेने के लिए प्रोत्साहित करता है। साथ ही, यह समुदाय के प्रति जिम्मेदारी का भी पाठ पढ़ाता है। इस प्रकार, यह व्यक्तिगत स्वतंत्रता और सामाजिक दायित्व के बीच एक संतुलन स्थापित करता है। हिन्दुत्व में संस्कारों का विशेष महत्व है। ये संस्कार जन्म से लेकर मृत्यु तक जीवन के विभिन्न चरणों में किए जाते हैं। इन संस्कारों का उद्देश्य व्यक्ति के जीवन को शुद्ध और सार्थक बनाना है। ये संस्कार व्यक्ति को अपने कर्तव्यों और जिम्मेदारियों का स्मरण कराते हैं और उसे जीवन के उच्च लक्ष्यों की ओर प्रेरित करते हैं। हिन्दुत्व में पुरुषार्थ चतुष्टय की अवधारणा महत्वपूर्ण है। ये चार पुरुषार्थ हैं - धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष। धर्म का अर्थ है नैतिक और आध्यात्मिक मूल्यों का पालन करना। अर्थ का तात्पर्य है धन और भौतिक समृद्धि प्राप्त करना। काम का अर्थ है इच्छाओं और आकांक्षाओं की पूर्ति। मोक्ष का अर्थ है आत्मज्ञान और मुक्ति की प्राप्ति। हिन्दुत्वसिखाता है कि इन चारों पुरुषार्थों में संतुलन बनाए रखना चाहिए। हिन्दुत्व में आश्रम व्यवस्था का विशेष महत्व है। यह जीवन को चार चरणों में विभाजित करती है - ब्रह्मचर्य (विद्यार्थी जीवन), गृहस्थ (गृहस्थ जीवन), वानप्रस्थ (सेवानिवृत्ति) और संन्यास (त्याग और आत्मज्ञान का जीवन)। इस व्यवस्था का उद्देश्य व्यक्ति को जीवन के हर चरण में अपने कर्तव्यों का पालन करने और क्रमशः आध्यात्मिक उन्नति की ओर बढ़ने में मदद करना है।हिन्दुत्वमें गुरु-शिष्य परंपरा का विशेष स्थान है। यह माना जाता है कि आत्मज्ञान की प्राप्ति के लिए एक योग्य गुरु का मार्गदर्शन आवश्यक है। गुरु न केवल ज्ञान प्रदान करता है, बल्कि शिष्य के व्यक्तित्व का समग्र विकास भी करता है। यह संबंध श्रद्धा, समर्पण और अनुशासन पर आधारित होता है।हिन्दुत्वमें तीर्थयात्रा का विशेष महत्व है।

तीर्थयात्रा केवल एक धार्मिक कृत्य नहीं है, बल्कि यह एक आंतरिक यात्रा भी है। यह व्यक्ति को अपने दैनिक जीवन से दूर ले जाकर आत्मचिंतन और आत्मशुद्धि का अवसर प्रदान करती है। साथ ही, यह भारत की विविध संस्कृतियों और परंपराओं से परिचित होने का भी एक माध्यम है। हिन्दुत्व में वेदों और उपनिषदों का विशेष स्थान है। ये ग्रंथ न केवल धार्मिक ज्ञान के स्रोत हैं, बल्कि जीवन के विभिन्न पहलुओं जैसे विज्ञान, चिकित्सा, गणित, खगोल विज्ञान आदि पर भी प्रकाश डालते हैं। इन ग्रंथों का अध्ययन व्यक्ति को गहन ज्ञान और आत्मबोध की ओर ले जाता है।हिन्दुत्वमें आयुर्वेद का विशेष महत्व है। आयुर्वेद न केवल एक चिकित्सा पद्धति है, बल्कि यह एक जीवन शैली है जो शरीर, मन और आत्मा के संतुलन पर आधारित है। यह व्यक्ति को स्वस्थ जीवन जीने और प्रकृति के साथ सामंजस्य बनाए रखने की शिक्षा देता है। हिन्दुत्व में अहिंसा का सिद्धांत महत्वपूर्ण है। अहिंसा का अर्थ केवल शारीरिक हिंसा से बचना नहीं है, बल्कि यह विचारों, शब्दों और कर्मों में भी अहिंसा का पालन करने की शिक्षा देता है। यह सिद्धांत व्यक्ति को शांति, करुणा और प्रेम के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करता है।हिन्दुत्वमें कला और संगीत का विशेष स्थान है। ये न केवल मनोरंजन के साधन हैं, बल्कि आध्यात्मिक उन्नति के माध्यम भी हैं। भारतीय शास्त्रीय संगीत और नृत्य ईश्वर की आराधना और आत्माभिव्यक्ति के रूप में देखे जाते हैं। हिन्दुत्व में स्त्री शक्ति को विशेष महत्व दिया जाता है। देवी के विभिन्न रूपों की पूजा इसका प्रमाण है। यह स्त्रियों को समाज में सम्मानजनक स्थान देने और उनकी शक्ति और क्षमताओं को पहचानने की शिक्षा देता है।हिंदुत्व में प्राणायाम और ध्यान का विशेष महत्व है। ये प्रथाएं न केवल शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए लाभदायक हैं, बल्कि आत्मज्ञान की प्राप्ति में भी सहायक हैं। ये व्यक्ति को अपने आंतरिक जगत से जोड़ती हैं और उसे अपने वास्तविक स्वरूप को पहचानने में मदद करती हैं। हिन्दुत्व में 'सत्य, शिव, सुंदरम्' की अवधारणा महत्वपूर्ण है। यह त्रिगुण सत्य (सत्य), शिव (कल्याण) और सुंदर (सौंदर्य) को जीवन के आदर्श के रूप में प्रस्तुत करता है। यह व्यक्ति को अपने जीवन में इन तीनों गुणों को समाहित करने की प्रेरणा देता है। हिन्दुत्व में 'अहं ब्रह्मास्मि' का महावाक्य महत्वपूर्ण है, जिसका अर्थ है 'मैं ब्रह्म हूं'। यह वाक्य व्यक्ति को अपने दिव्य स्वरूप को पहचानने और उसके अनुरूप जीवन जीने की प्रेरणा देता है। हिन्दुत्व में 'तत्त्वमसि' का महावाक्य भी महत्वपूर्ण है, जिसका अर्थ है 'वह तुम हो'। यह वाक्य व्यक्ति और ब्रह्म की एकता का बोध कराता है। यह व्यक्ति को अपने वास्तविक स्वरूप को पहचानने और उसके साथ तादात्म्य स्थापित करने की प्रेरणा देता है। हिन्दुत्व में 'नेति नेति' की अवधारणा महत्वपूर्ण है, जिसका अर्थ है 'यह नहीं, यह नहीं'। यह अवधारणा सिखाती है कि ब्रह्म या परम सत्य को किसी भी भौतिक या मानसिक अवधारणा में सीमित नहीं किया जा सकता। यह व्यक्ति को अपनी सोच की सीमाओं से परे जाने और असीम की खोज करने की प्रेरणा देती है। हिन्दुत्व को समझने के लिए व्यक्ति को स्व को जागृत करना पड़ेगा। यह जागरण एक निरंतर प्रक्रिया है जो जीवन भर चलती रहती है। यह एक ऐसी यात्रा है जो व्यक्ति को अपने वर्तमान स्थिति से लेकर अपने सर्वोच्च संभावित स्थिति तक ले जाती है। इस यात्रा में व्यक्ति को अपने विचारों, भावनाओं और कर्मों के प्रति सजग रहना होता है। उसे अपने अंदर की आवाज को सुनना सीखना होता है और अपने अंतर्ज्ञान का विकास करना होता है।हिंदुत्व की यह यात्रा व्यक्ति को अपने आप से, दूसरों से, प्रकृति से और अंततः पूरे ब्रह्मांड से जोड़ती है। यह एक ऐसी यात्रा है जो व्यक्ति को अपने छोटे 'मैं' से निकालकर विशाल 'मैं' की ओर ले जाती है। यह यात्रा व्यक्ति को सिखाती है कि वह केवल एक शरीर या मन नहीं है, बल्कि एक अनंत और शाश्वत आत्मा है जो इस भौतिक शरीर में निवास करती है। अंत में, यह कहा जा सकता है कि हिन्दुत्व को समझने के लिए व्यक्ति को स्व को जागृत करना आवश्यक है। यह एक ऐसी यात्रा है जो बाहरी जगत से शुरू होकर आंतरिक जगत की गहराइयों तक ले जाती है। यह व्यक्ति को अपने वास्तविक स्वरूप को पहचानने, अपने कर्तव्यों का पालन करने, और यह कहा जा सकता है कि हिन्दुत्व एक ऐसा जीवन दर्शन है जो व्यक्ति को अपने पूर्ण क्षमता को प्राप्त करने और एक सार्थक और संतुष्ट जीवन जीने में मदद करता है। यह एक ऐसा मार्ग है जो व्यक्ति को अज्ञान के अंधकार से निकालकर ज्ञान के प्रकाश की ओर ले जाता है, जहां वह अपने वास्तविक स्वरूप को पहचान सकता है और उसके अनुरूप जीवन जी सकता है।

-डॉ. प्रशांत बड़थ्वाल
(लेखक, दिल्ली विश्वविद्यालय से संबद्ध अरविंदो कालेज के राजनीति विज्ञान विभाग में शिक्षक हैं।)

संपादकीय

बुनियादी सुविधाओं पर जोर देता हुआ राजस्थान बजट

लोकसभा चुनाव के चलते फरवरी . मार्च माह में आनेवाला राजस्थान सरकार का वर्ष 2024.25 का आम बजट 10 जुलाई को प्रस्तुति उपरान्त पारित किये जाने हेतु विधान सभा पटल पर वित्त मंत्री श्रीमती दिया कुमारी ने रख दिया जिसे पक्ष विपक्ष द्वारा चर्चा उपरान्त दिये अंतिम स्वरूप को बहुमत से पारित कर दिया जायेगा। भजन लाल सरकार का महिलाए किसानए युवा वर्ग को विशेष रुप से इंगित करता हुआ बुनियादी सुविधाओं पर जोर देते यह राजस्थान में आज तक के भाजपा सरकार का अनोखा पहला बजट है जिसमें सरकार के वित्त मंत्री दिया कुमारी ने कर में राहत प्रदान करते हुये सभी वर्ग को कुछ न कुछ देकर सभी को संतुष्ट करने का प्रयास किया है।

इस तथ्य को समझने के लिये बजट के स्वरूप पर एक नजर डालें जहां चर्चित पेपर लिक अपराधियों के खिलाफ कार्यवाही किये जाने की योजना ए बड़े उद्योगों के साथ एमएसएमई पर जोरए जल मिशन को गति देने के लिये हर विधान सभा क्षेत्र में 20. 20 नलकूपए 10.10 टयूबवेल ए 25 लाख घरों को नल से पेयजल देनाए विद्युत उत्पादन क्षेत्रों में बढ़ोतरीए आदर्श ग्रामध् सरकारी कार्यालयों में सौर उर्जा योजनाए हर घर . हर खेत बिजली योजनाए वर्ष के दौरान 2 लाख घरों को नये विद्युत कनेक्शनए 25 लाख से ज्यादा स्मार्ट मीटरए अंडर ग्राउन्ड बिजली लाइनए 9 ग्रीन फिल्ड एक्सप्रेसए 60000 करोड की नई सड़कए 500 नई रोडवेजए 300 नई इलेक्ट्रीक बसेंए बस डिपों के लिये 50 करोड़ की राशिए सभी बाजारों में वायोपिंक टायलेटए लाइब्रेरीए वाई फाई के लिये 150 करोड़ की राशिए कलाकारों को विशेष सुविधा देने के लिये 30 करोड़ की राशिए पर्यटन विकास के लिये पर्यटन विकास वोर्ड का गठनए बुनकरों को विशेष सहायताए माटी कला सेटर ऑफ एक्सीलेंसए जयपुर मे मेट्रो का विस्तार ए काशी विश्वनाथ मंदिर के तर्ज पर खाटू श्याम मंदिर कैरिडोर का निर्माणए मंदिर विकास के लिये 100 करोड़ की राशि का प्रावधानए 600 मंदिरों में विशेष आरतीए युवाओं को रोजगार देने के लिये 5 साल में 4 लाख भर्तियाए वर्ष के दौरान 1 लाख भर्तिए युवा अटल उद्यमी योजनाए कुलपति का नाम कुलगुरूए मुफ्त लैप टैबलेटए नई खेल नीति के तहत खिलाड़ियों को बीमा योजनाए मुख्यमंत्री आयुष्मान मां योजनाए संविदा कर्मचारियों को 2 बार इनक्रिमेंटए किसानों को ब्याज मुक्त कर्ज ए 1लाख 45 हजार किसानों को विद्युत कनेक्शन ए स्वतंत्रता सेनानियों को 60 हजार की पेंशन घयलों को अस्पताल ले जाने के लिये 10 हजार की अनुग्रह राशिए सहित समाज के हर वर्ग को बजट में कुछ न कुछ दिया ही गया है। चर्चा उपरान्त सरकार का यह बजट जनोपयोगी साबित हो सकता है यदि सरकार इसे अमल करने में सफल हो जाती है।

-डा. भरत मिश्र प्राची

तार्किक पाठ्यक्रम समय की मांग

एनसीईआरटी कक्षा छह से दस तक की इतिहास, समाजशास्त्र और राजनीति विज्ञान की पाठ्यपुस्तकों में बदलाव कर रहा है। एक मजबूत शिक्षा प्रणाली में शिक्षण सामग्री का संशोधन पाठ्यक्रम के लिए समान होना चाहिए। लेकिन भारत में स्कूली पाठ्यक्रम हमेशा नवीनतम शोध के साथ तालमेल बनाए रखते हैं।

एनसीईआरटी कक्षा छह से दस तक की इतिहास, समाजशास्त्र और राजनीति विज्ञान की पाठ्यपुस्तकों में बदलाव कर रहा है। एक मजबूत शिक्षा प्रणाली में शिक्षण सामग्री का संशोधन पाठ्यक्रम के लिए समान होना चाहिए। लेकिन भारत में स्कूली पाठ्यक्रम हमेशा नवीनतम शोध के साथ तालमेल बनाए रखते हैं। पक्षपातपूर्ण या संकीर्ण दृष्टिकोण से बचने के लिए स्वतंत्रता के बाद से, हमारी स्कूली पाठ्यपुस्तकें अकसर कला, साहित्य, दर्शन, शिक्षा, विज्ञान, प्रौद्योगिकी और आर्थिक विकास में भारत की प्रगति को मान्यता देने से बचती हैं। पहले की पाठ्यपुस्तकें भारतीय इतिहास के बारे में एक ऐसा दृष्टिकोण बनाती हैं जो विश्व की सभ्यता पर भारत के गहन प्रभाव को दबा देती है। इसके परिणामस्वरूप हमारी राष्ट्रीय पहचान और ऐतिहासिक कथा के बारे में एक विषम धारणा बनती है। स्कूली विद्यार्थियों को कम उम्र में ऐतिहासिक घटनाओं और संघर्षों की आक्रामकता के संपर्क में लाना उन्हें संकट में डाल सकता है। स्कूली पाठ्यक्रम में शिक्षा के अनुचित चरणों में ऐतिहासिक संघर्षों का परिचय, बच्चों के दिमाग में व्यापक ऐतिहासिक संदर्भ की कमी की धारणा को अमर कर सकता है। एक संतुलित कथा बच्चों के दिमाग में दुश्मनी और पूर्वाग्रह पैदा करने के जोखिम को कम करती है।

एकतरफा ऐतिहासिक तथ्य स्कूली बच्चों के बीच सामाजिक सामंजस्य और आपसी सम्मान में बाधा डालेंगे। सार्थक पाठ्यपुस्तक संशोधनों का विरोध एक पुरानी संकीर्ण वैचारिक विचार प्रक्रिया को दर्शाता है, जो भविष्य में ऐतिहासिक शिकायतों और शत्रुता को शाश्वत बनाता है। एक संतुलित, विश्वसनीय और भरोसेमंद ऐतिहासिक कथा, संघर्ष समाधान और आपसी सम्मान के सकारात्मक उदाहरणों को रेखांकित करती है। यह छात्रों को अपने जीवन में सकारात्मक उदाहरणों और सिद्धांतों को लागू करने के लिए प्रेरित करती है। स्कूली छात्रों को एक संतुलित इतिहास पढ़ाना जो संघर्ष-आधारित कथाओं को कम करता है, उन्हें भारत की विरासत के बारे में बेहतर जानकारी के साथ जिम्मेदार और सहानुभूतिपूर्ण नागरिक बनने में सक्षम बनाता है। ऐसी पाठ्य पुस्तकें बच्चों में संज्ञानात्मक और भावनात्मक आधार बनाती हैं, जो भविष्य के आलोचनात्मक विश्लेषण के लिए आवश्यक है। संतुलित कथाओं पर ध्यान केंद्रित करते हुए स्कूली पाठ्यपुस्तकों को संशोधित करने का कोई भी प्रयास अंत नहीं बल्कि एक शुरुआत है। छात्रों को ऐसी संतुलित पाठ्यपुस्तकों से जो आधार मिलता है, वह उन्हें बाद के वर्षों में एक गहरी ऐतिहासिक समझ बनाने में मदद करेगा। स्कूली पाठ्यपुस्तकों को छात्रों की उभरती जरूरतों को पूरा करने में उत्तरदायी होने के लिए बदलते समय के साथ तालमेल बिठाने की जरूरत है।

पाठ्य पुस्तकों में क्या पढ़ाया जाए और क्या न पढ़ाया जाए, इसकी चर्चा लगातार होती रही है, क्योंकि स्कूल की पाठ्यपुस्तकें ही वह माध्यम हैं, जिनके द्वारा सुविधाजनक विमर्श को आगे बढ़ाया जा सकता है। विवाद तब होता है, जब एक विमर्श आपके लिए सुविधाजनक होता है और दूसरे वर्ग के लिए असुविधाजनक। वर्तमान में इतिहास की पाठ्य पुस्तकों में किए गए कुछ बदलावों से संबंधित विवाद को भी उसी संदर्भ में देखना चाहिए, जब एक वर्ग का सुविधाजनक दृष्टिकोण दूसरे वर्ग के विमर्श के अनुरूप नहीं होता है। देखा जाए तो इस प्रकार का विवाद पहली बार नहीं हुआ है। भारत के शैक्षणिक इतिहास में इस प्रकार के विवाद पहले भी होते रहे हैं। विश्व भर की शिक्षा व्यवस्थाएं अपने-अपने देश के पाठ्यक्रम को समझ और तार्किक दृष्टिकोण पर आधारित बनाना चाह रही हैं, वहीं हमारे देश में विवाद इस बात पर हो रहा है कि किस पक्ष का तथ्य सही है? यहां असुविधाजनक तथ्य को वृत्तांत की सहायता से सदैव छुपाने का प्रयास रहता है। इतिहास को न केवल तथ्यों से समझा जा सकता है और न केवल वृत्तांतों से। इसलिए यह आवश्यक है कि दोनों का उचित मात्रा में समावेश हो, मगर हमारे देश में इतिहास लेखन की शैली में तथ्य और वृत्तांत का विभाजन काफी बारीक है। इस विषय के पुनरावलोकन की आवश्यकता है। जहां पूरे विश्व की शैक्षणिक व्यवस्थाएं अपने स्वरूप को बदल रही हैं और छात्रों को तथ्यों से भरने के बजाय उन्हें इतिहास आधारित दृष्टिकोण से युक्त करने पर जोर दे रही हैं, जिससे छात्रों में इतिहास के प्रति एक वस्तुनिष्ठ दृष्टिकोण विकसित हो सके। आज के तकनीकी दौर में इतिहास बोध होने पर छात्र स्वयं ही ऐतिहासिक तथ्यों की पड़ताल कर सकता है।

किसी देश की शिक्षा व्यवस्था के लिए आवश्यक है कि वह अपने छात्रों को तथ्य आधारित, वस्तुनिष्ठ पाठ्य सामग्री उपलब्ध कराए, क्योंकि यही छात्र भविष्य के विमर्श को न केवल आगे बढ़ाते हैं, अपितु नए विमर्श की शुरुआत भी करते हैं। इसलिए यह आवश्यक है कि इतिहास में एकपक्षीय दृष्टिकोण से आगे बढ़कर चिंतन और तार्किक पाठ्यक्रम का विकास किया जाए। एनसीईआरटी से अपेक्षा है कि वह वर्तमान विवाद से अप्रभावित रहते हुए छात्रों के ऐतिहासिक दृष्टिकोण के विकास से संबंधित पाठ्यक्रम का विकास करेगी, न कि तथ्यों के चयन में छात्रों को उलझाएगी। पाठ्य पुस्तकें किसी देश की सरकार द्वारा दिया गया आधिकारिक कथन होती हैं। इस रूप में ये वैचारिक या सैद्धांतिक परियोजना होती है। इतिहास और राजनीति विज्ञान की पाठ्यपुस्तकों का पुनरीक्षण वैसे भी अधिक संवेदनशील होता है। ये विषम समकालीन प्रासंगिकता के मुद्दों पर विचार करने के लिए छात्रों को प्रोत्साहित करते हैं। उन्हें सामाजिक और राजनीतिक प्रक्रियाओं को इतिहास के पलड़े पर तौलकर, इतिहास और वर्तमान के बीच तार्किक सामंजस्य बनाना सिखाते है। इन पुस्तकों के माध्यम से विद्यार्थी देश-विदेश के सामाजिक और राजनीतिक विषयों पर अपने विचार बनाने का प्रयत्न करता है।

एनसीईआरटी की मूल पुस्तकों को इसी विचार के साथ रूप दिया गया था। कुल मिलाकर पाठ्यपुस्तकों से हटाई जाने वाली सामग्री, भारत के भूतकाल और वर्तमान की नकारात्मक धारणा पर आधारित है। यह मानसिकता कमजोर है, और केवल कुछ को हटाकर अपने इतिहास को बदलने का प्रयास करती है। इनके लिए भारतीय इतिहास के रचनात्मक, समावेशी, तार्किक, सुसंगत और विद्यार्थी अनुकूल संस्करण को लाना असंभव था, क्योंकि रचना में एक सकारात्मक गुण है, जिसे राजनीतिक ताकतें अकसर कम आंकती हैं।

-प्रियंका सौरभ
(लेखिका, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

आज का पंचांग

शुक्रवार 2024 वर्ष का 194 वां दिन, दिशाशूल पश्चिम ऋतु वर्षा। विक्रम संवत् 2081 शक संवत् 1946, मास आषाढ़ पक्ष शुक्ल तिथि षष्ठी 12.33 बजे को समाप्त। नक्षत्र उत्तराफाल्गुनी 16.09 बजे को समाप्त। योग परिघ 05.15 बजे प्रात: को समाप्त।

आज का राशिफल

मेष : पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहे। अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। पुराने मित्र मिलेंगे।

वृष : अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। विरोधियों सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा।

मिथुन : आर्थिक उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। रोजगार में तरक्की मिलेगी। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। शत्रुओं की पराजय होगी। कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा।

कर्क : उच्चमनोबल रखकर कार्य करें, सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पैतृक सम्पत्ति से लाभ।

सिंह : यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी।

कन्या : घर-परिवार में प्रसन्नता व सहयोग का वातावरण बनेगा। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। मेहमानों का आगमन होगा।

तुला : संतान की प्रगति से संतोष होगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ में समय व्यतीत होगा। श्रम अधिक करना पड़ सकता हैं। वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते हैं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कलह विवाद का डर बना रहेगा। पारिवारिक तनावए अलगाव का सामना करना पड़ सकता है।

वृश्चिक : अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेगें। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। किसी अपने की सलाह उपयोगी सिद्ध होगी।

धनु : कार्यक्षेत्र में विवाद बढ़ेंगे। परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। मानसिक तनाव में बढ़ोतरी होगी। किसी का अभद्र व्यवहार खिन्नता व तनाव बढ़ायेगा। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। मनोरथ सिद्धि का योग है। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है।

मकर : आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। आय के अच्छे योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग हैं।

कुंभ : बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। मनोविनोद बढ़ेंगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। संतान की उन्नति के योग हैं।

मीन : व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। जरा सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती है। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी। आवेश में आना आपके हित में नहीं होगा, इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियंत्रण रखें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा।

स्पोर्ट्स में भी बना सकते हैं आकर्षक करियर

विराट कोहली जब महज तीन साल के थे, तभी से उन्होंने हाथों में क्रिकेट बैट पकड़ना सीख लिया था और जिद करके खुद के लिए अपने पिता से गेंदबाजी कराया करते थे। 9 वर्षों तक ये यूं ही गली-मोहल्ले में शौकिया क्रिकेट खेलते रहे। फिर एक दिन उनके पिता को एक दोस्त ने बेटे को क्रिकेट ट्रेनिंग दिलाने की सलाह दी। उन्होंने सुझाव पर सोच-विचार किया और विराट का दाखिला एक एकेडमी में हो गया। आज वे सफलता के किस मुकाम पर हैं, यह बताने की जरूरत नहीं। हो सकता है कि खेल के प्रति ऐसी ही कुछ खूबियां आपमें भी छिपी हों, जिन्हें समय रहते पहचानकर और उचित प्रशिक्षण के बाद आप भी सचिन तेंडुलकर, अभिनव बिंद्रा, सुशील कुमार, विश्वनाथन आनंद, मैरीकॉम, सानिया मिर्जा, साइना नेहवाल आदि जैसे कामयाब खिलाड़ी बन सकते हैं। क्रिकेट, हॉकी, फुटबॉल और टेनिस के अलावा बैडमिंटन, रेसलिंग, बॉक्सिंग, स्विमिंग, शूटिंग, बास्केटबॉल आदि खेल आज सिर्फ मनोरंजन के साधन नहीं हैं, बल्कि बेहतरीन करियर भी बनते जा रहे हैं। ऐसा भी नहीं है कि स्पोर्ट्स में सिर्फ खिलाड़ियों के लिए ही स्कोप है। आप चाहें, तो कोच, फिजिकल ट्रेनर, अंपायर, कमेंटेटर, स्कोरर, स्पोर्ट्स मैनेजर, स्पोर्ट्स एडिटर, क्यूरेटर, फिजियोथैरेपिस्ट, स्पोर्ट्स मेडिसिन प्रैक्टिशनर, स्पोर्ट्स इवेंट मैनेजर आदि के रूप में भी आकर्षक करियर बना सकते हैं।

करियर के अवसर

भारत में युवा प्रतिभाओं के लिए स्पोर्ट्स में करियर ऑप्शंस की कमी नहीं है। स्पोर्ट्स एकेडमीज से ट्रेनिंग के बाद आप खिलाड़ी के तौर पर राज्य स्तरीय इवेंट्स में खेलते हुए राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंच सकते हैं। खिलाड़ी के तौर पर करियर खत्म होने के बाद स्पोर्ट्स कोच, कंसल्टेंट, अंपायर, रेफरी, टीम मैनेजर, फिटनेस इंस्ट्रक्टर, स्पोर्ट्स कमेंटेटर, स्पोर्ट्स जर्नलिस्ट, स्पोर्ट्स इक्विपमेंट सप्लायर आदि के रूप में करियर के अन्य ऑप्शंस भी चुन सकते हैं। बीपीएड/ एमपीएड कोर्स करके स्कूल-कॉलेज में फिजिकल टीचर बन सकते हैं। इसके अलावा क्यूरेटर भी एक अच्छा करियर ऑप्शन हो सकता है। क्रिकेट मैचों के लिए अच्छी पिच क्यूरेटर ही तैयार करते हैं। स्पोर्ट्स मेडिसिन प्रैक्टिशनर भी एक स्पेशलाइज्ड करियर है। स्पोर्ट्स इंडस्ट्री में इन दिनों इनकी खासी डिमांड है। एमबीबीएस प्रोफेशनल स्पोर्ट्स मेडिसिन का 2 वर्षीय डिप्लोमा कोर्स करके स्पोर्ट्स मेडिसिन प्रैक्टिशनर बन सकते हैं।

पर्सनल स्किल

अगर स्पोर्ट्स में करियर बनाना चाहते हैं, तो इसके लिए आपमें प्रतिभा, रुचि और समर्पण हो बहुत जरूरी है। आधे-अधूरे मन से खेलकर इस फील्ड में कामयाबी पाना संभव नहीं है। खेलों के लिए कुछ बेसिक शारीरिक क्षमता होना बेहद जरूरी है। इसे फिटनेस ट्रेनिंग और कोचिंग से हासिल किया जा सकता है। राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलने के लिए आपको खेल भावना भी रखनी होगी। ग्राउंड पर खिलाड़ियों के सामने विपरीत परिस्थितियों में अच्छा परफॉर्म करने का दबाव रहता है। इसलिए आपको मानसिक रूप से भी मजबूत रहना होगा।

टेलीकॉम मैनेजमेंट में एमबीए कर बना सकते हैं बेहतर करियर

भारत का दूरसंचार उद्योग (टेलीकॉम इंडस्ट्री) विश्व का दूसरा सबसे बड़ा टेलीकॉम उद्योग है। कारण है विशाल जनसंख्या। जितनी जनसंख्या, उतने उपभोक्ता और जितने उपभोक्ता, उतना बड़ा उद्योग। टेलीकॉम सेक्टर में टेलीफोन, टेलीविजन, इंटरनेट आदि शामिल हैं। आज शिक्षा के क्षेत्र में आधुनिक दूरसंचार साधनों का उपयोग हो रहा है। साथ ही, सरकार ने ई-गवर्नेंस भी शुरू किया है। कुल मिलाकर, टेलीकॉम के क्षेत्र में करियर निर्माण की बहुत उजली संभावनाएं हैं। आप टेलीकॉम मैनेजमेंट में एमबीए करके बेहतर करियर बना सकते हैं।

क्या है एमबीए टेलीकॉम मैनेजमेंट

टेलीकॉम मैनेजमेंट में एमबीए दरअसल मैनेजमेंट और टेक्नोलॉजी का मेल है। यह कोर्स करके आप दूरसंचार के विस्तृत नेटवर्क को मैनेज करने की स्किल्स सीख सकते हैं। इस डिग्री से आप टेलीकॉम ऑपरेशंस के इन पहलुओं पर पकड़ बना सकते हैं- फाइनेंस, ऑपरेशंस, मार्केटिंग, रेग्युलेटरी, लीगल फ्रेमवर्क। यह कोर्स 2 साल का होता है।

कौन कर सकता है यह कोर्स

आप भी यह कोर्स कर सकते हैं, यदि आपके पास कम से कम 50 प्रतिशत अंकों के साथ बैचलर्स डिग्री है और आपने कैट/ जीमैट/ जैट/ स्नैप/ सीमैट आदि जैसी कोई प्रवेश परीक्षा क्लियर कर ली है। यदि आप इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशंस स्ट्रीम में इंजीनियरिंग की पृष्ठभूमि से हैं, तो इससे आपको अतिरिक्त लाभ होगा।

जरूरी स्किल्स

सूचना और संचार प्रणालियों की मूलभूत अवधारणाओं को समझने के अलावा कुछ और स्किल्स होना जरूरी है। इसके लिए स्वयं से ये सवाल पूछें -

- क्या आपका दिमाग सदा सक्रिय रहता है
- क्या आप निर्णयक्षमता के धनी हैं
- क्या आपको लगता है कि आप लोगों द्वारा भरोसा किए जाने लायक हैं
- क्या आप दूसरों से सीखने को तत्पर रहते हैं
- क्या आपमें मौजूदा ट्रैंड्स को चुनौती देने का साहस है
- क्या आप दूसरों के साथ मिलकर काम कर सकते हैं
- क्या आप हमेशा अपना सर्वश्रेष्ठ करने को तत्पर रहते हैं

यदि इन सवालों के जवाब आप हां में देते हैं, तो आपमें यह कोर्स करने और टेलीकॉम मैनेजमेंट में करियर बनाने के लिए जरूरी स्किल्स हैं।

करियर ऑप्शंस

टेलीकॉम सेक्टर के आकार और विस्तार के बढ़ने के साथ ही, टेलीकॉम मैनेजमेंट में एमबीए करने के बाद अवसरों में भी बेतहाशा वृद्धि हुई है। फ्रेशर हो या अनुभवी व्यक्ति, यदि कोई दृढ़ संकल्पित है, तो इस क्षेत्र में सफल हो सकता है। टेलीकॉम मैनेजमेंट में एमबीए करके आप इन क्षेत्रों में टेलीकॉम मैनेजमेंट प्रोफेशनल बन सकते हैं- सेल्स एंड डिस्ट्रिब्यूशन, प्राइसिंग, प्रोडक्ट डेवलपमेंट एंड मैनेजमेंट, मार्केटिंग एंड ऑपरेशंस, नेटवर्क प्लानिंग, सिक्योरिटी, टेलीकॉम कंसल्टिंग, इंटरनेशनल वॉइस ट्रेडिंग, टेलीकॉम रेग्युलेशन आदि। अनेक क्षेत्रों से जुड़ी सरकारी व प्राइवेट फर्म्स नई प्रतिभाओं को हायर करने को तैयार रहती हैं, जैसे- मोबाइल उत्पादक, ऑप्टिकल फाइबर उत्पादक, इंफ्रास्ट्रक्चर हार्डवेयर उत्पादक, वैल्यू एडेड सर्विस प्रोवाइडर्स (इंफोसिस/ माइक्रोसॉफ्ट/ विप्रो/ गूगल आदि), टेलीकॉम ऑपरेटर्स, इंटरनेट सर्विस प्रोवाइडर्स, बैंक, हॉस्पिटल, सिक्योरिटी फर्म्स आदि।

सैलरी पैकेज

युवा ग्रेजुएट्स की सैलरी 3 से 5 लाख प्रति वर्ष होती है। अनुभव के साथ बढ़ते-बढ़ते यह 30 लाख रुपए तक भी जा सकती है।

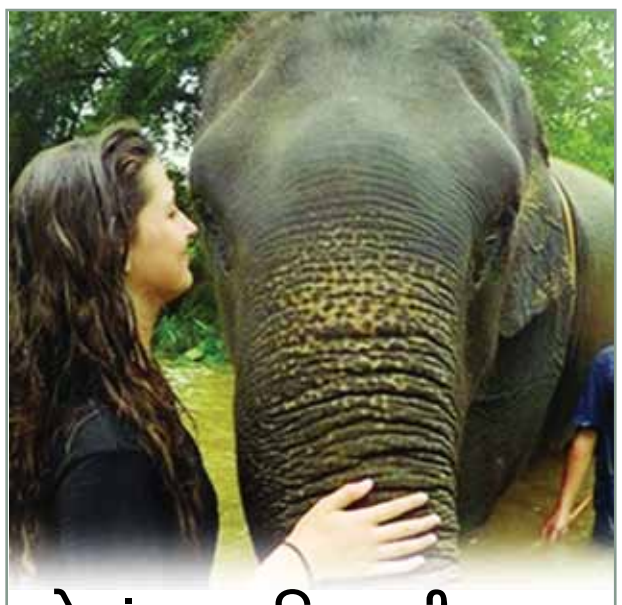

रोमांचक करियर की तलाश में हैं तो बनें वाइल्डलाइफ कन्जर्वेशनिस्ट्स

अगर आप भी रोमांचक करियर की तलाश में हैं, तो वाइल्डलाइफ कन्जर्वेशन का क्षेत्र आपके लिए श्रेष्ठ है। एक रिपोर्ट के मुताबिक पूरी दुनिया में दुर्लभ जानवरों की हजारों प्रजातियां इस समय विलुप्त होने के कगार पर हैं और इसका सबसे बड़ा कारण है, जंगलों का लगातार काटा जाना। हालांकि कई संगठनों के सामने आने के बाद अब हालात में कुछ परिवर्तन आया है लेकिन पूरी तरह से तस्वीर बदलने के लिए जरूरत है, वाइल्डलाइफ कन्जर्वेशनिस्ट्स की। ये विशेषज्ञ जानवरों के आवास पर शोध कर उनका संरक्षण करने में मदद करते हैं। जाहिर है, यह करियर आपको प्रकृति के साथ ज्यादा वक्त गुजारने का मौका तो देता ही है, साथ ही रोमांचक भी है। अगर आप ऐसे ही रोमांचक करियर की तलाश में हैं, तो इस फील्ड से जुड़ सकते हैं।

क्या है वाइल्डलाइफ कन्जर्वेशन

वाइल्डलाइफ कन्जर्वेशन के अंतर्गत विशेषज्ञ पर्यावरण में हो रहे परिवर्तनों का अध्ययन करके उनके कारणों की खोज करते हैं। साथ ही वे वाइल्डलाइफ को सहेजने यानी कन्जर्व करने की कोशिश भी करते हैं। जब भी ऐसी जगहों पर कोई निर्माण या दूसरी गतिविधि होती है, तो पहले इन्हीं विशेषज्ञों की अनुमति ली जाती है। यही नहीं, लुप्तप्राय प्रजातियों के संरक्षण का काम भी यही एक्सपर्ट्स करते हैं। इन्हीं विशेषज्ञों को कहा जाता है, वाइल्डलाइफ कन्जर्वेशनिस्ट।

कौन-से कोर्सेज

इस फील्ड में करियर बनाने के लिए 12वीं में फिजिक्स, केमिस्ट्री और बायोलॉजी विषय होने जरूरी हैं। आप वाइल्डलाइफ साइंस, इकोलॉजी, एन्वायर्नमेंटल साइंस, फॉरेस्ट्री और इकोलॉजिकल डेवलपमेंट से ग्रेजुएशन कर सकते हैं। इसके बाद इन्हीं विषयों से पोस्ट ग्रेजुएशन और फिर पीएचडी की जा सकती है। इसके अलावा आप वाइल्डलाइफ मैनेजमेंट में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा भी कर सकते हैं। कई ऐसे इंस्टीट्यूट्स हैं, जो फील्ड में प्रैक्टिकल ट्रेनिंग के साथ पढ़ाई करवाते हैं। ट्रेनिंग के दौरान विद्यार्थियों को कैम्पिंग के माध्यम से पढ़ाई करने का मौका मिलता है। वहीं कुछ इंस्टीट्यूट्स वाइल्डलाइफ फिलॉसफी में पोस्ट ग्रेजुएशन की डिग्री देते हैं, जिसे आर्ट ग्रेजुएट्स भी कर सकते हैं।

क्या हैं संभावनाएं

आप राष्ट्रीय उद्यानों (नेशनल पार्क्स) व वन्य जीव अभयारण्यों (वाइल्डलाइफ सैंक्चुरीज) से जुड़कर काम कर सकते हैं। इसके अलावा डब्ल्यूटीआई, पेटा और वर्ल्डवाइड फंड फॉर नेचर जैसे अंतरराष्ट्रीय संगठनों में अपना करियर बना सकते हैं। सरकारी क्षेत्र में भी कई जॉब्स हैं। आप इंडियन फॉरेस्ट सर्विसेज की परीक्षा देकर बेहतरीन और प्रतिष्ठित जॉब कर सकते हैं। इसके अलावा आप बतौर साइंटिस्ट, रिसर्चर, स्पेशलिस्ट, एक्सपर्ट और एनालाइजर अपना करियर बना सकते हैं और वाइल्डलाइफ से जुड़े अलग-अलग तथ्यों को सामने ला सकते हैं।

सैलरी कितनी

सरकारी रिसर्च और साइंस इंस्टीट्यूट्स से जुड़े प्रोफेशनल्स की शुरुआती सैलेरी 25,000 रुपए है, लेकिन अगर आप कॉर्पोरेट या इंटरनेशनल ऑर्गेनाइजेशंस के साथ काम कर रहे हैं, तो ट्रेनिंग में आपकी शुरुआत 50,000 रुपए से होगी। परमानेंट जॉब और बढ़ते अनुभव से आपका वार्षिक पैकेज 30-35 लाख तक हो सकता है।

कैसी होनी चाहिए स्किल्स

सबसे पहले तो आपके अंदर प्रकृति और वन्यजीवों के प्रति लगाव होना चाहिए क्योंकि तभी आप कठिन परिस्थितियों में भी काम कर पाएंगे। वैसे भी जब तक आप अपने करियर को लेकर पैशनेट नहीं होंगे, तब तक सफलता नहीं मिलेगी। इसके अलावा आपमें समस्याओं के बारे में रिसर्च करने और उनका विश्लेषण करने का धैर्य होना चाहिए। एडवेंचरस होना और खतरों के लिए तैयार रहना भी महत्वपूर्ण है।

कॅरियर रुपी मंजिल का चुनाव कैसे करें?

आप शिक्षा के जिस भी स्तर पर हैं, उसी अनुरूप आप अपने कॅरियर के चुनाव में विभिन्न उपायों को आजमा सकते हैं। मान लीजिये कि आप दसवीं में हैं, तो मंजिल के चुनाव के लिए आप अपने टीचर, पेरेंट्स की सहायता ले सकते हैं और जान सकते हैं कि कौन सा कॅरियर आपके लिए किस ढंग से लाभकारी होगा?

यह एक जांचा परखा तथ्य है कि अगर किसी व्यक्ति ने अपने कॅरियर के शुरुआती दौर में ही सही फैसले लेकर उचित कॅरियर का चुनाव कर लिया, तो उसकी आगे की राह काफी आसान हो जाती है। कहते हैं दुनिया में हर व्यक्ति सफर करता है, किंतु मंजिल पर पहुंचते बहुत कम लोग हैं। आप कह सकते हैं कि सही मंजिल पर कैसे पहुंचा जाए, तो इसमें यही बात समझने योग्य है कि सही मंजिल पर पहुंचने के लिए मंजिल का चुनाव, उसकी पहचान जरूरी है।

क्या आप दसवीं में हैं? या फिर आप 12वीं में अथवा ग्रेजुएशन कर चुके हैं? आप शिक्षा के जिस भी स्तर पर हैं, उसी अनुरूप आप अपने कॅरियर के चुनाव में विभिन्न उपायों को आजमा सकते हैं। मान लीजिये कि आप दसवीं में हैं, तो मंजिल के चुनाव के लिए आप अपने टीचर, पेरेंट्स की सहायता ले सकते हैं और जान सकते हैं कि कौन सा कॅरियर आपके लिए किस ढंग से लाभकारी होगा? खासकर दसवीं के बाद आपको साइंस या आर्ट्स में से कोई एक स्ट्रीम चुननी होती है। इसी तरह से अगर आप 12वीं में हैं तो आप साइंस में भी मैथ्स या बायो लेकर चलना होता है अथवा आर्ट्स या कॉमर्स स्ट्रीम को लेकर पढ़ाई करना होता है। वस्तुतः यहां से कॅरियर एक दिशा ले लेता है कि आप किसी प्रोफेशनल कोर्स में जाना चाहते हैं या फिर एनडीए अथवा दूसरे कोर्स की तैयारी करना चाहते हैं। ग्रेजुएशन में तो आपकी समझ पूरी तरह से खुल चुकी होती है और आपको पूरी तरह से पता होता कि हकीकत में करना क्या है। बस कई लक्ष्यों के बीच में खुद को कंफ्यूज ना करें, क्योंकि कन्फ्यूजन आपको आपकी मंजिल से दूर कर देगा। ध्यान रखना चाहिए कि भेड़ चाल से बचना कैसे है और अपने लक्ष्य को पूरी तरह से अपने मन मस्तिष्क के अनुसार चुनना चाहिए। जब आप मंजिल को ठीक से पहचान लेते हैं तब आपका काम काफी आसान हो जाता है।

जुट जाएँ मंजिल तक पहुंचने में

जब एक बार मंजिल की पहचान हो जाती है, फिर आप तब तक ना रूकें, जब तक मंजिल पर पहुंच ना जाएँ। ध्यान रखें, डॉक्टर अब्दुल कलाम कहते हैं कि बैठे रहने वालों को वही मिलता है जो कोशिश करने वाले छोड़ देते हैं। अगर अपनी मंजिल को आपने पहचान लिया है तो आपको तेजी से और मजबूत कदमों से उस और बढ़ने की आवश्यकता होती है। इसके लिए न केवल ट्रेडिशनल कोर्सेज करें, बल्कि ऑनलाइन की दुनिया से अपने आपको लगातार अपडेट करें। केवल इतना ही पर्याप्त नहीं है कि आपने किसी यूनिवर्सिटी के डिग्री कोर्स में प्रवेश ले लिया है, बल्कि अपनी स्किल को निखारने के लिए आपको ऑनलाइन एजुकेशन, कोर्सेज के माध्यम से तमाम स्किल विकसित करनी होगी। इसके लिए कई फ्री तो कई पेड कोर्सेज उपलब्ध हैं, जिसे आप अपनी रूचि के अनुसार चुन सकते हैं। सबसे इंपोर्टेंट है खुद को लगातार अपग्रेड करना चाहिए। हालांकि रेगुलर पढ़ाई की महत्ता से इनकार नहीं किया जा सकता और इसके लिए आपको बेहतर से बेहतर संस्थान का चुनाव करना चाहिए और उसके प्लेसमेंट रिकॉर्ड को भी अपनी नजर में रखना चाहिए।

भटकाव से बचें

आज के समय में तमाम एक्सपर्ट और रिसर्च इस बात के प्रति जागरूक करते हैं कि ऑनलाइन दुनिया में आपका समय बहुत खराब होता है। छोटे-छोटे बच्चे यूट्यूब और दूसरी ऑनलाइन साइट्स पर, गेम्स पर अपने जीवन का कीमती समय नष्ट करते हैं। यह धीरे-धीरे उनकी आदत बन जाती है और जो इंटरनेट अच्छी जानकारियों का सोर्स हो सकता है, उसे वह समय नुकसान करने का माध्यम बना लेते हैं। ना केवल बच्चे, बल्कि युवा भी इस पर अपना अच्छा खासा समय बर्बाद करते हैं, तो यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि आज के समय में समय बर्बाद करने का सबसे महत्वपूर्ण साधन भी इंटरनेट ही बन गया है। इसके लिए आप अतिरिक्त सावधानी बरतेंगे तो आपका कॅरियर सही दिशा में अवश्य ही आगे बढ़ेगा। पहले समय पास करने का काम नालायक दोस्त किया करते थे, लेकिन कइयों की लाइफ में अब यह स्थान इंटरनेट में ले लिया है। हालाँकि, कई लोग इंटरनेट को 'सच्चा दोस्त' बनाकर अपनी जिन्दगी में बड़े बड़े मुकाम इसी की सहायता से प्राप्त कर रहे हैं, इसीलिए इस के सकारात्मक पक्ष पर फोकस करें और भटकाव से बचने के लिए इंटरनेट पर पर अतिरिक्त सावधानी बरतने की जरूरत है।

रुतुराज सहित युवा खिलाड़ियों के पास विराट , रोहित और जडेजा की जगह लेने का अवसर

हरार। युवा बल्लेबाज रुतुराज गायकवाड़ ने कहा है कि अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली की जगह लेना काफी मुश्किल है पर उनका लक्ष्य किसी भी क्रम पर बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा। टी20 विश्व कप जीत के बाद विराट के अलावा कप्तान रोहित शर्मा और हरफनमौला रविंद्र जडेजा ने छोटे प्रारुप को अलविदा कह दिया है। ऐसे में युवा खिलाड़ियों के पास इनकी जगह हासिल करने का अवसर है। ऐसे माना जा रहा है कि रुतुराज गायकवाड़ को विराट के स्थान पर जबकि अभिषेक शर्मा को रोहित की जगह खेलने का अवसर मिल सकता है। वहीं रुतुराज ने कहा कि अभी इस बारे में वह नहीं सोच रहे हैं। साथ ही कहा कि कोहली से तुलना करने के बारे में सोचना या उनकी कमी को पूरा करने का प्रयास करना भी बेहद कठिन है। साथ ही कहा कि किसी की भी कमी को पूरा करना काफी कठिन होता है। आप अपने करियर को अपने अनुसार आगे बढ़ाना चाहते हैं और अभी यही मेरी प्राथमिकता है। घरेलू क्रिकेट में पारी की शुरुआत करने वाले गायकवाड़ ने जिम्बाब्वे के खिलाफ शुरुआती 2 मैचों में तीसरे क्रम पर बल्लेबाजी की है पर वह टीम की अनुसार किसी भी क्रम पर बल्लेबाजी करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि टीम को जहां मेरी जरूरत होगी मैं वहां बल्लेबाजी करूंगा। इसमें कोई समस्या नहीं है। साथ ही कहा कि पारी की शुरुआत करने और तीसरे क्रम पर बल्लेबाजी करने में कोई ज्यादा अंतर नहीं है क्योंकि आपको इन दोनों जगहों पर नई गेंद का सामना करना होता है। गायकवाड़ ने कहा कि आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स की कप्तानी करने के दौरान उन्हें खेल के अन्य पहलुओं पर नजर रखने के लिए प्रेरित किया पर इससे उनकी बल्लेबाजी पर कोई फर्क नहीं पड़ा।

चैंपियंस ट्रॉफी : पाकिस्तान नहीं जाएगी टीम इंडिया

यूएई या श्रीलंका में रखे जा सकते हैं भारतीय टीम के मैच

दुबई। भारतीय क्रिकेट टीम अगले साल फरवरी-मार्च में होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट के लिए पाकिस्तान शायद ही जाये। ऐसे में माना जा रहा है कि ये टूर्नामेंट भी एशिया कप की तरह ही हाइब्रिड मॉडल में आयोजित किया जा सकता है। चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी पाकिस्तान कर रहा है। इस टूर्नामेंट के कुछ मैच यूएई या श्रीलंका में भी आयोजित किए जा सकते हैं। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) को जो कार्यक्रम सौंपा था। उसमें भारतीय टीम के सभी मैच लाहौर में रखे गए थे जिसमें एक मार्च को दोनो के बीच होने मैच रखा गया है। भारतीय बोर्ड (बीसीसीआई) ने इस कार्यक्रम को लेकर अपनी मंजूरी नहीं दी है। शामिल था। बीसीसीआई की ओर से इसपर अभी कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है पर एक रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीय टीम के पाक जाने की संभावना नहीं है। ऐसे में ये टूर्नामेंट भी हाइब्रिड मॉडल पर हो सकता है। इसके तहत भारतीय टीम के मैच किसी अन्य देश में रखे जा सकते हैं। ये भी हो सकता है कि भारतीय टीम के मैच एशिया कप की तरह ही यूएई या श्रीलंका में रखे जाएं। आईसीसी ने अभी तक इस बार में कुछ स्पष्ट नहीं है। अब देखना है कि आईसीसी इस मामले में क्या फैसला करता है। इससे पहले पीसीबी के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने कहा था कि चैंपियंस ट्रॉफी के सभी मैच पाकिस्तान में ही रखे जाएंगे। नकवी ने कहा कि जुलाई के अंत में कोलंबो में होने वाली आईसीसी बोर्ड मीटिंग के दौरान इस मुद्दे को उठाया जाएगा। भारत ने 2012-13 सत्र के बाद से पाकिस्तान के साथ द्विपक्षीय क्रिकेट नहीं खेला है। भारत ने 2008 के बाद से पाकिस्तान की यात्रा नहीं की है।

जडेजा सहित कुछ खिलाड़ी हो सकते हैं बाहर , श्रेयस को मिल सकता है अवसर

मुम्बई। गौतम गंभीर के भारतीय क्रिकेट टीम के नए मुख्य कोच बनने के साथ ही टीम में बदलाव होने भी तय हैं। ऐसे में जहां कुछ युवा खिलाड़ियों को टीम में जगह मिल सकती है। वहीं अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पा रहे अनुभवी खिलाड़ियों को बाहर होना पड़ सकता है। इन खिलाड़ियों में ऑलरांडर रविन्द्र जडेजा भी हैं। जडेजा टीम के मैच विजेता खिलाड़ी रहे हैं पर पिछले काफी समय से वह लय में नहीं हैं। उनकी बल्लेबाजी और गेंदबाजी पहले जैसी नहीं रही। ये लगातार देखने में आया है। मैदान में वह गेंदबाजी के दौरान विकेट नहीं ले पा रहे। दूसरी और उनका बल्ला भी खामोश है। ऐसे में माना जा रहा है कि उनकी जगह कोई युवा खिलाड़ी ले सकता है। भारतीय टीम के युवा खिलाड़ी जिम्बाब्वे में खेल रहे हैं और उन्हीं में से किसी खिलाड़ी को जडेजा की जगह मिल सकती है। वहीं टीम से बाहर चल रहे अजिंक्य रहाणे की संभावनाएं भी अब तकरीबन समाप्त हो गयी हैं। रहाणे पहले ही टी20 और एकदिवसीय प्रारुप से बाहर हो गये थे। अब गंभीर के आने के बाद उनकी टेस्ट फॉर्मेट में भी वापसी संभव नहीं है क्योंकि अब वह 36 साल के हो गये हैं और गंभीर ऐसे खिलाड़ियों को रखना चाहेंगे जो लंबे समय तक रहे। इसके अलावा टेस्ट बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा की वापसी की संभवना भी समाप्त हो गयी है। पुजारा पिछले काफी समय से टीम से बाहर हैं और उनकी उम्र भी 36 साल की हो गयी है। ऐसे में उनका कैरियर भी अब समाप्त है। दूसरी ओर श्रेयस अय्यर की वापसी की संभावनएं प्रबल हो गयी हैं। श्रेयस को घरेलू क्रिकेट नहीं खेलने के बाद टीम से बाहर कर दिय गया था हालांकि उन्होंने एकदिवसीय विश्वकप में काफी अच्छा प्रदर्शन किया था। श्रेयस आईपीएल विजेता केकेआर टीम के कप्तान हैं जबकि गंभीर इसी टीम के मेंटोर रहे हैं और उन्हें पसंद करते हैं। ऐसे में अब श्रेयस की वापसी की अच्छी संभावनाएं बन रही हैं।

पेरिस ओलंपिक में भाग लेंगे अक्षदीप

नई दिल्ली। आगामी पेरिस ओलंपिक में पैदल चाल स्पर्धा में भारत के अक्षदीप सिंह भाग लेंगे। पंजाब की ओर से खेलने वाले अक्षदीप ने ओलंपिक्स के लिए क्वालीफाई कर लिया है। अक्षदीप ने रांची में राष्ट्रीय ओपन पैदल चाल स्पर्धा में जीत के साथ ही ओलंपिक के लिए क्वालिफाई किया है। 20 किमी पैदल चाल में राष्ट्रीय रिकार्ड धारी अक्षदीप रांची में राष्ट्रीय ओपन पैदल चाल स्पर्धा जीतकर ओलंपिक के लिए क्वालिफाई किस था। तब अक्षदीप ने एक घंटे 19 मिनट 38 सेकंड का समय निकालकर एक घंटे 19 मिनट 55 सेकंड का अपना ही रिकॉर्ड तोड़ा था। इस खिलाड़ी का ओलंपिक तक का सफर आसान नहीं रहा है। अक्षदीप ने तरनतारन में आयोजित अंडर-18 नॉर्थ इंडिया चैंपियनशिप में अपना पहला कांस्य पदक जीता। इसके बाद उन्होंने अंडर-18 जूनियर नेशनल में भाग लिया और रजत पदक जीता। 2017 में ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में उसने फिर से रजत पदक जीता। हालांकि, 2019 में घुटने की चोट के कारण वह इटली में हुए विश्व विश्वविद्यालय खेलों में हिस्सा नहीं ले पाए। उन्होंने फरवरी 2020 में राष्ट्रीय स्तर के आयोजन में हिस्सा लिया, लेकिन 12वां स्थान हासिल किया। 2023 को उसने 47वीं ऑल जापान रेस वॉकिंग मीट में हिस्सा लिया और 12वें स्थान पर रहे।

शाइन पर लगे बदसलूकी के आरोपों की जांच कर रहा पीसीबी

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट का विवादों से पुराना नाता रहा है। टी20 विश्वकप में टीम के खराब प्रदर्शन के बाद से ही क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने कड़ा रुख अपना लिया है। इसी के तहत ही दो चयनकर्ताओं को हटा दिया गया है। टीम के सबसे बड़े गेंदबाज शाहीन अफरीदी की भी जांच चल रही है। शाइन पर मुख्य कोच गैरी कर्स्टन और टीम प्रबंधन से बदसलूकी के आरोप हैं। पीसीबी शाहीन के मामले में बेहद गंभीर है और अगर वह दोषी पाये गये तो उनपर सख्त कार्रवाई हो सकती है। बोर्ड इस बात की जांच कर रहा है कि उस घटना में शाहीन के खिलाफ कोई कार्रवाई क्यों नहीं की गयी। शाहीन का मामला चयनकर्ता वहाब रियाज और अब्दुल रज्जाक को चयनकर्ता पद से हटाए जाने के बाद सामने आया है। वहीं पद से हटाए जाने के बाद वहाब ने कहा कि वे किसी प्रकार के आरोप नहीं लगा रहे हैं पर ये साफ है कि सभी चयनकर्ता को बराबर अधिकार थे। इसलिए किसी एक को निशाना बनाना ठीक नहीं है। वहाब ने कोच कर्स्टन और सहयोगी स्टाफ की तारीफ की है। इससे पहले शाहिद अफरीदी ने पीसीबी पर कप्तान बाबर आजम को जरूरत से ज्यादा मौके देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, ' उन्हें (पीसीबी) को कप्तान या कोच पर कोई फैसला लेना चाहिए। जहां तक बाबर की बात है उसे जरुरत से ज्यादा अवसर मिले जबकि अन्य को एक सीरीज के आधार पर ही बाहर कर दिया जाता रहा है। '

व्यापार

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

मुम्बई। घरेलू शेयर बाजार गुरुवार को लगातार दूसरे दिन गिरावट के साथ बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही मुनाफावसूली हावी रहने से आई है। गम दिवस भी बाजार गिरावट के साथ बंद हुआ था। वहीं आज सुबह बाजार की शुरुआत तेजी के साथ हुई पर कुछ समय बाद ही ये नीचे आने लगा। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 27.43 अंक करीब 0.03 फीसदी नीचे आकर 79,897.34 पर बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) निफ्टी भी 8.50 अंक तकरीबन 0.03 फीसदी टूटकर 24,315.95 पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स के 30 शेयरों में 16 शेयर लाभ के साथ ही उपर आकर बंद हुए। आईटीसी , टाटा मोटर्स, एशियन पेंट्स, एसबीआई और टाइटन के शेयरों को सबसे ज्यादा लाभ हुआ। वहीं टाटा स्टील, इंडसइंड बैंक, एक्सिस बैंक, एचसीएल टेक, कोटक बैंक, बजाज फिनसर्व, टीसीएस, टेक महिंद्रा, इंफोसिस, रिलायंस और जेएसडटल्यू स्टील के शेयरों में बढ़त रही। दूसरी ओर सेंसेक्स के 30 शेयरों में 14 शेयर लाल नुकसान के साथ ही बंद हुए। बजाज फाइनेंस, एमएंडएम, एनटीपसीसी, नेस्ले इंडिया और पावर ग्रिड सेंसेक्स के शेयरों को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ। सन फार्मा, एलएंडटी, अल्ट्राटेक सीमेंट, भारती एयरटेल, मारुति, आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक अदाणी पोर्ट्स और एचयूएल के शेयर गिरे। वहीं दूसरी ओर एशियाई बाजारों की बात करें तो सियोल, टोक्यो, शंघाई और हांगकांग में बढ़त रही इसके अलावा यूरोपीय बाजार में भी सकारात्मक माहौल रहा। गत दिवसय अमेरिकी बाजार बढ़त पर बंद हुए थे। इससे पहले आज सुबह घरेलू शेयर बाजार बढ़त के साथ खुला। बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी होने से आया है। आज सुबह 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 142 अंक या 0.18 फीसदी ऊपर आकर 80,066.57 के स्तर पर पहुंच गया, वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 0.20 फीसदी तकरीबन 50 अंक उछलकर 24,373.95 के स्तर पर कामकाज कर रहा था। निफ्टी स्मॉलकैप 0.31 फीसदी जबकि मिडकैप 0.29 फीसदी उछला। वहीं सेक्टोरल आधार पर, निफ्टी आईटी 0.69 फीसदी की बढ़त के साथ सबसे सुबह गिफ्ट निफ्टी भी बढ़त पर कारोबार करता दिखा। यह लगभग 24,395 के आसपास कारोबार कर रहा था, जो निफ्टी वायदा के पिछले बंद स्तर से लगभग 55 अंक के प्रीमियम पर है। वहीं घरेलू इक्विटी बेंचमार्क सूचकांक लगभग आधा फीसदी टूटकर बंद हुए, जिसमें निफ्टी 50 24,400 के स्तर से नीचे समाप्त हुआ।

घरेलू बाजार में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में आया बदलाव

नई दिल्ली। घरेलू बाजार में गुरुवार को कुछ राज्यों में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बदलाव आया है। बिहार, असम, गुजरात और महाराष्ट्र समेत कुछ राज्यों में पेट्रोल-डीजल महंगा हुआ है जबकि हरियाणा, हिमाचल और केरल समेत कुछ प्रदेशों में कीमतें कम हुई हैं। जयपुर में पेट्रोल 104.88 रुपये प्रति लीटर और डीजल 90.36 रुपये प्रति लीटर, पटना में पेट्रोल 105.18 रुपये प्रति लीटर और डीजल 92.04 रुपये प्रति लीटर, लखनऊ में पेट्रोल 94.65 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.76 रुपये प्रति लीटर है। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें 82 डॉलर प्रति बैरल के ऊपर पहुंच गयी हैं। दूसरी ओर चार महानगरों की बात करें तो दिल्ली में एक लीटर पेट्रोल की कीमत 94.72 रुपये और डीजल की कीमत 87.62 रुपये प्रति लीटर है। मुंबई में पेट्रोल की कीमत 103.44 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 89.97 रुपये प्रति लीटर है और कोलकाता में पेट्रोल की कीमत 104.95 रुपये प्रति लीटर और डीजल 91.76 रुपये प्रति लीटर है। इसके अलावा चेन्नई में पेट्रोल की कीमत 100.75 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 92.34 रुपये प्रति लीटर है नोएडाःपेट्रोल 94.83 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.96 रुपये प्रति लीटर, गुरुग्राम में पेट्रोल 95.19 रुपये प्रति लीटर और डीजल 88.05 रुपये प्रति लीटर, बेंगलुरु में पेट्रोल 102.86 रुपये प्रति लीटर और डीजल 88.94 रुपये प्रति लीटर, चंडीगढ़ में पेट्रोल 94.24 रुपये प्रति लीटर और डीजल 82.40 रुपये प्रति लीटर है।

सोने और चांदी की बढ़त के साथ शुरुआत

नई दिल्ली। घरेलू बाजार में गुरुवार को सोने चांदी की कीमतों में तेजी आई है। सोने के वायदा कारोबार में आज बढ़त रही है। दोनों के वायदा भाव आज बढ़त पर खुले। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने के वायदा भाव की कमजोर शुरुआत हुई पर चांदी के वायदा भाव की शुरुआत बढ़त पर रही। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्सा) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त अनुबुध 147 रुपये की बढ़त के साथ 72,815 रुपये के भाव पर खुला। ये एक समय 72,849 रुपये के भाव पर दिन के उच्च और 72,805 रुपये के भाव पर दिन के निचला स्तर पर पहुंचा। सोने के वायदा भाव ने इस साल 74,442 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर हासिल किया। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत आज अच्छी रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क सितंबर अनुबंध 568 रुपये की तेजी के साथ 93,400 रुपये पर खुला। एक समय ये 93,520 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 93,325 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर पर पहुंचा। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने के वायदा भाव की शुरुआत कमजोर रही। हालांकि बाद में इसके भाव ठीक हो गये। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। कामेक्स पर सोना 2,377.39 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला क्लोजिंग प्राइस 2,379.70 डॉलर प्रति औंस था। कामेक्स पर चांदी के वायदा भाव 31.07 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव प्राइस 31.01 डॉलर था।

सुप्रीम कोर्ट से उद्योगपति अडानी को राहत..... गुजरात हाई कोर्ट के आदेश पर रोक

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने उद्योगपति गौतम अडानी की कंपनी अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड को बड़ी राहत देकर गुजरात हाई कोर्ट के उस आदेश पर रोक लगा दी है, जिसमें राज्य सरकार से कंपनी को आवंटित 108 हेक्टेयर चरागाह भूमि वापस लेने को कहा गया था। यह जमीन कच्छ जिले में मुंद्रा बंदरगाह के पास नवीनल गांव में स्थित है। सुप्रीम कोर्ट ने मामले पर गुजरात सरकार से जवाब मांगा है। गुजरात उच्च न्यायालय ने गुजरात सरकार से पोर्ट कंपनी को आवंटित 108 हेक्टेयर भूमि वापस लेने का आदेश दिया था। न्यायमूर्ति बीआर गवई और न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की पीठ ने उच्च न्यायालय के आदेश पर रोक लगा दी। मामला 2005 का है, जब 108 हेक्टेयर जमीन अडानी पोर्ट्स को आवंटित हुई थी। 2010 में, जब कंपनी ने जमीन पर बाड़ लगाना शुरू किया, तब नवीनल गांव के निवासियों ने जनहित याचिका के साथ गुजरात उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया। उन्होंने कहा कि अडानी पोर्ट्स को जो जमीन आवंटित हुई है, वह चारागाह भूमि है। उन्होंने याचिका में तर्क दिया कि गांव चारागाह भूमि की कमी का सामना कर रहा है। निवासियों के अनुसार, 276 एकड़ भूमि में से 231 एकड़ अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड को आवंटित होने के बाद गांव में केवल 45 एकड़ चरागाह भूमि बची है। वर्ष 2014 में, राज्य सरकार ने कहा कि ग्रामीणों को चरागाह के लिए 387 हेक्टेयर सरकारी भूमि देने का आदेश पारित किया है, जिसके बाद अदालत ने मामले का निपटारा किया। लेकिन जब गुजरात सरकार ने 387 हेक्टेयर भूमि का आवंटन नहीं किया, तब ग्रामीणों ने गुजरात हाई कोर्ट में अवमानना याचिका दाखिल की। 2015 में, राज्य सरकार ने अदालत को बताया कि ग्राम पंचायत के पास आवंटित करने के लिए केवल 17 हेक्टेयर सरकारी भूमि उपलब्ध है। राज्य सरकार ने प्रस्ताव दिया कि वे लगभग 7 किलोमीटर दूर शेष भूमि आवंटित कर सकती है। ग्रामीणों ने अस्वीकार कर कहा कि यह मवेशियों के चरने के लिए बहुत दूर है। अप्रैल 2024 में गुजरात हाई कोर्ट की मुख्य न्यायाधीश सुनीता अग्रवाल और न्यायमूर्ति प्रणव त्रिवेदी की खंडपीठ ने राजस्व विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव को समाधान निकालने का निर्देश दिया। राजस्व विभाग ने पीठ को सूचित किया कि राज्य सरकार ने लगभग 108 हेक्टेयर या 266 एकड़ चारागाह भूमि वापस लेने का फैसला किया है, जो पहले एपीएसईजेड को आवंटित की गई थी। गुजरात हाई कोर्ट ने इस पर संतुष्टि व्यक्त कर राज्य सरकार को इस प्रस्ताव को लागू करने का निर्देश दिया। इसके बाद अडानी पोर्ट्स ने गुजरात सरकार के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी।

सस्पेंस-थ्रिलर किल की बॉक्स ऑफिस पर धमाकेदार शुरुआत

पहले हफ्ते में किया 7 करोड़ से अधिक का कारोबार

करण जौहर की फिल्म किल को इसकी रिलीज के बाद से ही दर्शकों का खूब प्यार मिला। फिल्म एक मजबूत स्टार कास्ट के साथ रिलीज हुई कल्कि 2898 एडी के एक हफ्ते बाद रिलीज हुई थी लेकिन फिर भी इसके बॉक्स ऑफिस पर अपने पैर जमाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। फिल्म की शुरुआत काफी अच्छी रही। फिल्म ने पहले दिन 1.35 करोड़ का कलेक्शन किया था। इसके बाद दूसरे दिन फिल्म ने 2.20 करोड़ और तीसरे दिन 2.70 करोड़ का कलेक्शन किया। इस फिल्म में लक्ष्य लालवानी और राघव जुयाल मुख्य किरदार में नजर आए हैं। किल के बॉक्स ऑफिस पर प्रभास की साइंस-फिक्शन फिल्म कल्कि 2898 एडी का असर देखने को मिला। फिल्म की चौथे दिन की कमाई में एक बड़ी गिरावट देखने को मिली, जहां इसने सिर्फ 1.30 करोड़ का कलेक्शन ही किया। इस तरह किल का इंडिया में टोटल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 7.55 करोड़ हो चुका है। बता दें कि किल को करण जौहर और गुनीत मोंगा ने मिलकर प्रोड्यूस किया है। यह बहुत कम बजट में बनी फिल्म है। वहीं निखिल नागेश भट्ट ने इस फिल्म को डायरेक्ट किया है। फिल्म 5 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। इस फिल्म में लक्ष्य लालवानी,राघव जुयाल के अलावा तान्या मानिकताला, अभिषेक चौहान, आशीष विद्यार्थी, हर्ष छाया और अद्रिजा सिन्हा में मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म का प्रीमियर टोरेंटो फिल्म फेस्टिवल में भी किया गया था।

फिल्म बैड न्यूज नया गाना जानम हुआ रिलीज

विक्की कौशल तृप्ति डिमरी संग हुए रोमांटिक

विक्की कौशल, एमी विर्क और तृप्ति डिमरी की बैड न्यूज सुर्खियों में बनी हुई है। फिल्म रिलीज से कुछ ही दिनों की दूरी पर है। फिल्म के ट्रेलर ने दर्शकों की उत्सुकता बढ़ा दी थी। वहीं, कुछ दिन पहले तौबा तौबा गाना रिलीज हुआ था, जिसमें विक्की के डांस मूव्ज ने वाहवाही लूटी और अब फिल्म का सबसे बोल्ड सॉन्ग जानम रिलीज हो चुका है। विक्की कौशल और तृप्ति डिमरी

ने हॉटनेस से भरे सीन जानम सॉन्ग के लिए दिए हैं। दोनों के इस सॉन्ग में कई इंटीमेट सीन हैं। तृप्ति डिमरी ने विक्की के साथ ऐसे सीन दिए हैं, जिसे देखते ही लोग घायल हो जाएं। दोनों हद से ज्यादा बोल्ड अवतार में नजर आ रहे हैं। इनकी हॉटनेस देख यूजर्स ने कमेंट किया है कि अब कटरीना का क्या होगा। तृप्ति डिमरी ने फिल्म एनिमल में रणबीर कपूर के साथ जमकर बोल्ड सीन दिए थे। फिल्म से उनका न्यूड सीन काफी वायरल हुआ था। एनिमल के बाद अब तृप्ति डिमरी ने विक्की कौशल के साथ हद से ज्यादा बोल्ड सीन दिए हैं। कभी स्विमिंग पूल में, कभी बिकनी में तृप्ति हुस्न की बिजलियां गिराती नजर आई हैं। विक्की के साथ उनका ये अंदाज देख लोगों के पसीने छूट गए हैं। विक्की को तृप्ति के साथ हॉटनेस से भरे मूव्ज देकर लोगों ने कई तरह के कमेंट किए हैं। कुछ ने उनकी चुटकी भी ली है। एक ने लिखा, आपको कटरीना कैफ का खौफ नहीं? एक अन्य ने कमेंट किया, कटरीना कैफ बड़ा पछताओगे गाने की घर पर प्रैक्टिस कर रही होंगी। एमी विर्क और विक्की कौशल के साथ तृप्ति की ये फिल्म 19 जुलाई को वर्ल्डवाइड रिलीज हो रही है।

अक्षय कुमार की सरफिरा का दे ताली गाना रिलीज

12 जुलाई को सिनेमाघरों में दस्तक देगी फिल्म

अभिनेता अक्षय कुमार की फिल्म सरफिरा इसी महीने रिलीज को तैयार है। इससे पहले एक-एक करके फिल्म के गाने रिलीज किए जा रहे हैं। इस कड़ी में मेकर्स ने आज नया गाना दे ताली रिलीज किया है। गाने में अक्षय कुमार एकदम अपने खिलाड़ी वाले अंदाज में नजर आ रहे हैं। गाने में कई जगह वह बाइक पर स्टंट दिखाते नजर आए हैं। इस गाने को सागर भाटिया, नीति मोहन और सुहित अभ्यंकर ने गाया है। इस गाने को सुहित अभ्यंकर ने कंपोज किया है और इसे मनोज मुंतशिर शुक्ला ने लिखा है। गाने का फिल्मांकन खूबसूरती से किया गया है। शुरुआती दृश्य में रेलगाड़ी में बैठे अक्षय कुमार काफी भावुक नजर आ रहे हैं। बैकग्राउंड से मां की कही बात गानों में गूंज रही है, देव! याद है न बाबा ने क्या कहा था?, मेरा बेटा जो कहता है वो करके छोड़ता है। अब तू करेगा ही, चल उड़। इसके बाद अक्षय कुमार एक्शन मोड में नजर आते हैं। अक्षय कुमार ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा कर इस गाने के रिलीज की जानकारी दी है। उन्होंने लिखा है, फिल्म सरफिरा का गाना दे ताली रिलीज हो गया है। इस शुक्रवार को फिल्म सिनेमाघरों में पहुंच रही है। अक्षय कुमार के इस पोस्ट पर यूजर्स उत्साह जता रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, इस फिल्म का इंतजार है। एक अन्य यूजर ने लिखा, अक्षय सर, अबकी बार बॉक्स ऑफिस पर आपका जादू चलेगा। फिल्म सरफिरा के ट्रेलर ने पहले ही धमाल मचा दिया है। यह इस साल का अभी तक सबसे ज्यादा देखा गया ट्रेलर पर चुका है। देखना होगा कि फिल्म क्या कमाल करती है। सुधा के निर्देशन में बनी यह फिल्म 12 जुलाई को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। इस फिल्म में अक्षय कुमार की जोड़ी राधिका मदान के साथ जमी है। उनके अलावा परेश रावल, सीमा बिस्वास, सौरभ गोयल और राहुल वोहरा जैसे सितारे भी अहम भूमिका में हैं।

सोनाक्षी सिन्हा, रितेश देशमुख स्टारर काकुड़ा का नया पोस्टर जारी

12 जुलाई को जी5 पर रिलीज होगी फिल्म

सोनाक्षी सिन्हा और रितेश देशमुख की फिल्म 'काकुड़ा एलान के बाद से ही सुर्खियों में छाई हुई है। हाल ही में फिल्म का ट्रेलर जारी किया गया था, जिसने प्रशंसकों के उत्साह को बढ़ा दिया। वहीं, अब फैंस की उत्सुकता को और बढ़ाने के लिए निर्माताओं ने फिल्म से अभिनेता रितेश देशमुख का नया पोस्टर जारी किया है, जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 ने आदित्य सरपोतदार की फिल्म का नया पोस्टर जारी किया है, जिसमें ककुडा को मैनहंटर और रितेश देशमुख उर्फ विक्टर को घोस्ट हंटर के रूप में दिखाया गया है। इस तीखे और डरावने मुकाबले में यह देखना बाकी है कि आखिर में कौन जीतेगा। इंस्टाग्राम पर पोस्टर साझा करते हुए निर्माताओं ने लिखा, क्या विक्टर का अंग्रेजी तंत्र ककुडा के सामने टिक पाएगा? कोई जोखिम न लें, इस मंत्र पर टिके रहें- दरवाजा खुला रखो, शाम 7:15 बजे, हर मंगलवार। रितेश के अलावा ककुड़ा में सोनाक्षी सिन्हा, आशिफ खान और साकिब सलीम भी हैं। यह फिल्म रतोडी के भूतिया गांव के बारे में है, जहां हर घर में दो दरवाजे होते हैं- एक बड़ा और एक छोटा। ककुड़ा के लिए छोटा दरवाजा खुला होना चाहिए। इससे पहले एक साक्षात्कार में रितेश देशमुख ने खुलासा किया कि उन्होंने काकुड़ा के लिए साइन किया, क्योंकि उन्हें लगा कि स्क्रिप्ट दिलचस्प थी। अभिनेता ने कहा कि यह एक हॉरर कॉमेडी है, लेकिन यह केवल डराने और हंसाने तक ही सीमित नहीं है। देशमुख ने बताया कि काकुड़ा एक ऐसी कहानी है, जिसमें बहुत सारा दिल है और यह पात्रों के बीच के रिश्तों के बारे में है। फिल्म के निर्माता रॉनी स्क्रूवाला ने साल 2021 की 20 जुलाई को फिल्म की शूटिंग शुरू होने का एलान किया था। हालांकि, दर्शकों को इसका लंबा इंतजार करना पड़ा है। इस फिल्म की रिलीज डेट दो साल से अटकी पड़ी थी और अब आखिर ओटीटी पर फिल्म आ रही है। यह फिल्म 12 जुलाई को जी5 पर रिलीज होगी।

सीरत कपूर ने अपनी मनमोहक मुस्कान से सबको किया मंत्रमुग्ध

सीरत कपूर अपनी आकर्षक मुस्कान से सभी को मंत्रमुग्ध कर देती हैं। सीरत कपूर इस अगस्त में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होंगी - अपनी प्रतिभा और करिश्मा से दर्शकों को लुभाने का एक दशक। 2014 में रन राजा रन से अपनी शुरुआत करने के बाद से, सीरत ने लगातार यादगार प्रदर्शन किए हैं, जिससे फिल्म उद्योग में एक बहुमुखी और प्रभावशाली व्यक्ति के रूप में उनकी स्थिति मजबूत हुई है। इस जून में रिलीज़ हुई मानमे में अपने डेब्यू को-स्टार शरवानंद के साथ उनकी हालिया मुलाकात ने प्रशंसकों के उत्साह को फिर से जगा दिया है और उनकी बढ़ती सफलता को और मजबूत किया है। सीरत का सफ़र सिल्वर स्क्रीन से आगे तक फैला हुआ है, जिसमें विवेल, एंगेज कोलोन स्प्रे, अपोलो टायर्स, महिंद्रा गुस्टो और इंटेक्स जैसे प्रमुख ब्रांडों के प्रभावशाली ब्रांड एंडोर्समेंट शामिल हैं। ये उद्यम उनकी बहुमुखी प्रतिभा और विपणन क्षमता को रेखांकित करते हैं, जिससे उन्हें एक लोकप्रिय ब्रांड एंबेसडर के रूप में स्थापित किया जाता है। वर्तमान में, सीरत दिल राजू के प्रोडक्शन के तहत एक प्रमुख फिल्म प्रोजेक्ट में सक्रिय रूप से शामिल हैं, साथ ही ओटीटी सीरीज़ भामकलापम 2 में उनकी आकर्षक उपस्थिति भी है। उनकी ऑन-स्क्रीन सफलता उनकी बढ़ती ऑनलाइन उपस्थिति से झलकती है, जहाँ वह प्रशंसकों को अपने जीवन और काम के बारे में बताती रहती हैं। उनके हालिया इंस्टाग्राम पोस्ट काफी चर्चा बटोर रहे हैं, जो प्रशंसकों और उद्योग के पेशेवरों दोनों को आकर्षित कर रहे हैं। एक विशेष रूप से आकर्षक पोस्ट में, सीरत एक चमकदार सुनहरी पोशाक में चमक रही हैं। स्लीवलेस, फिटेड ड्रेस उनके टोंड फिजिक को उभारती है और उनकी चमकदार त्वचा की टोन को पूरक बनाती है। आर्टिस्ट्रीबायक्री द्वारा स्टाइल किए गए उनके घुंघराले बाल, एक विशाल और चंचल स्पर्श जोड़ते हैं, जो समग्र आकर्षण को बढ़ाते हैं। नाजुक झुमके लुक को पूरा करते हैं, जो एक सरल लेकिन सुरुचिपूर्ण पहनावा बनाते हैं। सीरत का कैप्शन, जब तक आप मेरी चमक के पीछे का कारण अनुमान लगाएँगे, तब तक मैं अपने अगले काम पर लग जाऊँगी, दिल के इमोजी के साथ, रहस्य और साज़िश का एक स्पर्श जोड़ता है, जो उसके प्रशंसकों को और अधिक आकर्षित करता है। सीरत कपूर की यात्रा उनके समर्पण और प्रतिभा का प्रमाण है। जैसे ही वह फिल्म उद्योग में अपने दूसरे दशक में प्रवेश करती है, उसकी ऑन-स्क्रीन सफलता, उसके प्रभावशाली ब्रांड एंडोर्समेंट और उसकी आकर्षक सोशल मीडिया उपस्थिति सभी रोमांचक अवसरों और निरंतर सफलता से भरे भविष्य की ओर इशारा करते हैं।

दुनियाभर में प्रभास की फिल्म ने मचाया धमाल, 1000 करोड़ के करीब पहुंची कल्कि 2898 एडी की कमाई

नाग अश्विन निर्देशित 'कल्कि 2898 एडी का बॉक्स ऑफिस पर तहलका जारी है. ये साइंस-फाई फिल्म ने देश और दुनियाभर में छाई हुई और दर्शकों को सिनेमाघरों तक खींच रही है. इसी के साथ फिल्म ने छप्परफाड़ कमाई भी कर ली है. वहीं वर्ल्डवाइड भी 'कल्कि 2898 एडी ने इतिहास रच दिया है. चलिए यहां जानते हैं इस फिल्म ने रिलीज के 12वें दिन दुनियाभर में कितनी कमाई की है? 'कल्कि 2898 एडी ने रिलीज के पहले दिन ही महाबंपर ओपनिंग कर हैरान कर दिया था. इसके बाद पहले हफ्ते में भी फिल्म ने धांसू कलेक्शन किया. वहीं अब ये फिल्म दूसरे हफ्ते में पहुंच चुकी है. दूसरे वीकेंड पर फिल्म वर्ल्डवाइज आसानी से 800 करोड़ क्लब में शामिल हो गई थी. हालांकि रिलीज के 12 वें दिन फिल्म की कमाई में गिरावट दर्ज की गई है. बावजूद इसके फिल्म ने दुनिया भर में 900 करोड़ रुपये की कमाई कर ली है. अब ये साइंस फाई फिल्म ग्लोबल बॉक्स ऑफिस पर 1,000 करोड़ रुपये के जादुई आंकड़े की ओर बढ़ रही है. 8 जुलाई को कल्कि 2898 एडी के प्रोडक्शन हाउस वैजयंती मूवीज ने कंफर्म किया की कि फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर वास्तव में 900 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है. उन्होंने एक खास पोस्टर शेयर किया और लिखा, मैजिकल माइल स्टोन की ओर अग्रसर... एपिक ब्लॉकबस्टर कल्कि सिनेमाघरों में. 11वें दिन के कलेक्शन की तुलना में कल्कि 2898 एडी के कलेक्शन में 8 जुलाई को भारी गिरावट देखी गई.सैकनिल्क के शुरुआती अनुमानों के मुताबिक, फिल्म ने भारत में 11.35 करोड़ रुपये की नेट कमाई की. जहां हिंदी वर्जन में फिल्म ने 6.5 करोड़ रुपये की कमाई की, वहीं तेलुगु वर्जन में फिल्म का कलेक्शन 3.5 करोड़ रुपये रहा. वहीं मलयालम, तमिल और कन्नड़ वर्जन में फिल्म ने भारत में एक करोड़ से भी कम कमाई कीय कल्कि 2898 एडी का 12 दिनों का कुल कलेक्शन अब भारत में 521.4 करोड़ रुपये हो गया है. जहां तेलुगु वर्जन में भारत में 249.05 करोड़ रुपये (नेट) की कमाई की, वहीं हिंदी वर्जन में फिल्म ने 218.9 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है. कमल हासन की इंडियन 2 (तेलुगु में भारतीयुद्ध 2 और हिंदी में हिंदुस्तानी 2) 12 जुलाई को बड़े पर्दे पर रिलीज होने से पहले कल्कि 2898 एडी कुछ और दिनों तक फ्री रन एंजॉय कर सकती है. नाग अश्विन द्वारा लिखित और निर्देशित इस फिल्म में प्रभास, अमिताभ बच्चन, दीपिका पादुकोण और कमल हासन मुख्य भूमिका में हैं. वैजयंती मूवीज द्वारा बड़े पैमाने पर निर्मित यह फिल्म 27 जून को 2डी और 3डी में सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी.

नाथ कृष्ण और गौरी की कहानी में नेगेटिव रोल निभाएंगी सत्यमवदा सिंह

टीवी एक्ट्रेस सत्यमवदा सिंह नाथ कृष्ण और गौरी की कहानी शो में नेगेटिव रोल में नजर आएंगी। वह जीनत का किरदार निभाएंगी। एक्ट्रेस चांद जलने लगा सीरियल की भूमिका के लिए घर-घर में जानी जाती हैं। सत्यमवदा ने कहा, मैं जीनत का किरदार निभाने के लिए एक्साइटेड हूं। वह मजाकिया, खूबसूरत और मनमौजी लड़की है। यह कॉमिक टाइमिंग वाला एक नेगेटिव रोल है। मैं इस तरह के किरदार का लंबे समय से इंतजार कर रही थी। एक्ट्रेस ने कहा कि वह इस नए सफर को एक्सप्लोर करने के लिए एक्साइटेड हैं। सत्यमवदा ने बताया कि वह फिल्म निर्माता संजय लीला भंसाली की सीरीज हीरामंडी: द डायमंड बाजार में सोनाक्षी सिन्हा, मनीषा कोइराला, अदिति राव हैदरी, संजीदा शेख और शर्मिन सहगल जैसे किरदारों को निभाना चाहती हैं। उन्होंने आगे कहा, संजय लीला भंसाली सर की हीरामंडी देखने के बाद, मैंने स्क्रीन पर एक मुस्लिम महिला का किरदार निभाने का मन बनाया। मेरी एक और इच्छा है कि मैं उनके प्रोजेक्ट में लीड रोल निभाऊं। उन्होंने कहा, मुझे खुशी है कि मुझे टीवी शो में एक मुस्लिम महिला की भूमिका निभाने का मौका मिलेगा। इससे पहले, मैंने गुलजार सर के नाटक में एक मुस्लिम किरदार अदा किया था, इसलिए मुझे यकीन है कि मैं इस नए किरदार को शानदार ढंग से निभा पाऊंगी। नाथ कृष्ण और गौरी की कहानी में चाहत पांडे, अलीशा पंवार और रेयांश वीर चड्ढा भी हैं। अपकमिंग एपिसोड बलूचिस्तान, पाकिस्तान पर बेस्ड होने के कारण एक नया मोड़ लेने वाला है। एक्ट्रेस की बात करें तो सत्यमवदा सिंह ने मॉडलिंग के साथ अपने करियर की शुरुआत की। उन्होंने ग्लैडरैग्स मेगा मॉडल, मिस कल्चर वर्ल्ड इंडिया, मिस उत्तर प्रदेश और मिस दिल्ली जैसे ब्यूटी सौंदर्य कॉम्पिटिशन जीते। इसमें मोस्ट फोटोजेनिक खिताब भी शामिल है। उन्होंने 2014 में शो लापतागंज के साथ अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी फिर चिड़िया घर और कृष्ण कन्हैया जैसे अन्य टीवी सीरियल्स में भी अहम भूमिका निभाई थी।